



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 47]

नई विल्ली, शनिवार, 25, 1978/अग्रहायण 4, 1900

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER, 25 1978/AGRAHAYANA 4, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि वह भला संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सारिधिक प्रावेश और प्रधिसूचनाएं

**Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)**

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई विल्ली, 17 अक्टूबर, 1978

S.O. 3335.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी 1978 में हुए आंद्र प्रवेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिए 198-अमर छिण्टा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री आनन्दम, निवासी गाँव बेचिनितल, तालुक अस्माकुर, जिला महबूब नगर (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेजा दोखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीष्म, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पूर्ण सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायो-क्रिय नहीं है;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्री आनन्दम को संसद के किसी भी सवन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने

जाने भीर होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वित घोषित करता है।

[संख्या आ०प्र०नि०स०/198/78]

टी० नागरस्तम, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 17th October, 1978

S.O. 3335.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Anandam, resident of Village Rechintal, Taluk Atmakur, District Mahbubnagar (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly from 198-Amarchinta constituency, held in February, 1978 has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, "the Election Commission hereby declares the said

Shri Anandam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/198/78]

T. NAGARATHNAM, Secy.

विविध, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1978

का०प्रा० 3336.—केन्द्रीय सरकार कास्ट एण्ड वक्सें एकाउन्टेंट्स रेग्युलेशन्स, 1959 के विविधम 20 के खण्ड (A) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, कम्पनी विभिन्न प्रशासन विभाग की प्रधिसूचना संख्या का०नि०धा० 2118, तारीख 19 सितम्बर, 1959 में निम्नलिखित, संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त प्रधिसूचना में क्रम संख्या 34 और उससे सम्बन्धित प्रधिसूचित के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रधिसूचित रखी जाएगी, अर्थात्:—

“35. केरल सरकार द्वारा प्रदत्त वाणिज्यक व्यवहार का विलोमा।”

[का०सं० 2/9/78-सी०एल०-5]

५० जी० सिरसी, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 10th November, 1978

S.O. 3336.—In pursuance of clause (b) of regulation 20 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the late Ministry of Commerce and Industry, Department of Company Law Administration No. S.R.O. 2118 dated the 19th September, 1959, namely :—

In the said notification, after serial number 34 and the entry relating thereto, the following serial number and the entry shall be inserted, namely :—

“35. Diploma in Commercial Practice awarded by the Government of Kerala.”

[File No. 2/9/73-CL-V]

A. G. SIRSI, Dy. Secy.

(न्याय विभाग)

'नोटिस'

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1978

का०प्रा० 3337.—इसके द्वारा लेख्य प्रमाणक नियम (मोटरीज रस्स), 1956 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री लियो बेनेडित बेलहो, एड्वोकेट कोस्टा वेरा विल्डग मारगओ स्लीटी गोआ ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, गोप्ता, दमन एवं दीव राजसंघ प्रदेश में लेख्य प्रमाणक (मोटरीज) का काम करने की नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई मापदंश हो तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के बाद विस के मन्त्र भीत्र दृस्ताकार करने वाले को लिखकर भेज दिए जायें।

[सं० 22/54/78-न्याय]

स०द० हिन्दी, सक्षम प्राधिकारी

(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 8th November, 1978

S.O. 3337.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Leo Benedict Velho Advocate Costs Pereira Building, Margaoalacete, Goa for appointment as a Notary to practise in the Union Territory of Goa, Daman and Dlu.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/54/78-Jus.]

L. D. HINDI, Competent Authority

विविध मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1978

भाष्य-कार

का०प्रा० 3338.—केन्द्रीय सरकार, भाष्य-कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “श्री पार्थसारथी पेरुमल टेम्पल, पर्थनपली” को निर्धारित वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० 2534 (का० सं० 197/26/78-भा०क० (एI))]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 4th September, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 3338.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Parthasarathy Perumal Temple, Parthappalli” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 2534 (F. No. 197/26/78-II (AD))]

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1978

भाष्य-कार

का०प्रा० 3339.—केन्द्रीय सरकार, भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए “श्री ज्योतिसंठ ब्रिक्ष-प्रांगम, शिमालय” को निर्धारित वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 2543 (का०सं० 197/196/77-भा०क०) (एI)]

एम० शास्त्री, भवर सचिव

New Delhi, the 9th October, 1978

(INCOME-TAX)

S.O. 3339.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Jyotirmath (Badrikashram), Himalaya" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 2543(F. No. 197/196/77-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

(सांचिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रधान)

नई विल्ही, 8 नवम्बर, 1978

का० आ० 3340.—निषेध बीमा और प्रत्यय गारंटी नियम अधिनियम, 1961 (1961 का 47) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वि सेंट्रल बांग्सिय ब्राफ दि चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ब्रॉक हैंडिंग, बम्बई, के सदस्य श्री प्रद्युम्न नटवरलाल शाह को 9 नवम्बर, 1978 से प्रारम्भ होने वाली दो वर्ष की और प्रबंधि के लिए निषेध बीमा और प्रत्यय गारंटी नियम के निवेशक के रूप में नामित करती है।

[सं० एक० 6/11/78-बी०आ०-1]

क० बा० मीरचंदानी, अवश सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 8th November, 1978

S.O. 3340.—In pursuance of the provisions of clause (d) of sub-section (1) of section 6 of the Deposit Insurance & Credit Guaranteed Corporation Act, 1961 (47 of 1961), the Central Government hereby nominates Shri Pradyumna Natvarlal Shah, Member of the Central Council of the Chartered Accountants of India, Bombay as Director of the Deposit Insurance & Credit Guarantee Corporation for a further period of two years with effect from 9th November, 1978.

[No. F. 6/11/78-BO-IJ]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई विल्ही, 13 नवम्बर, 1978

का० आ० 3341.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 58 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध, इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 28 फरवरी, 1981 तक की अवधि के लिए बैंक एम्लाईज को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड कलकत्ता-1 पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक इनका संबंध कुछ गैर बैंकिंग परिसम्पत्तियों अर्थात् पश्चिम अंगाल के जिला 24-परगामा के सरसुना औजा साउथ बीमुला में 1282.4 वर्गमीटर की भूमि को अपने पास रखने से है।

[सं० आ० 8-1/78-ए०सी०]

New Delhi, the 13th November, 1978

S.O. 3341.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply for a period from the date of publication of this notification in the official Gazette to 28 February 1981 to the Bank Employees Co-operative Bank Ltd., Calcutta 1 in so far as they relate to its holding a non-banking asset viz., the piece of land admeasuring 1282.4 sq.m. at Sarsoona, Mouza South Behala, District 24-Parganas, West Bengal.

[No. 8-9/78-AC]

का० आ० 3342.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने से 1 मार्च, 1981 तक की अवधि के लिए, स्टीं को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड, बम्बई पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहाँ तक इनका संबंध कुछ गैर-बैंकिंग परिसम्पत्तियों अर्थात् बाल कोट के मकानों तथा भूमि के भाग की घारिका से है।

[सं० आ० 8-9/78-ए० सी०]

S.O. 3342.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the City Co-operative Bank Ltd., Bombay in so far as they relate to its holding of certain non-banking assets viz houses and pieces of land at Bagalkot from the date of publication of this notification to 1 March 1981.

[No. 8-9/78-AC]

का० आ० 3343.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपर्यंत, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 31 मार्च 1979 तक की अवधि के लिए, काटागिरी को-आपरेटिव अरबन बैंक लिमिटेड, काटागिरी, तमिलनाडू पर लागू नहीं होंगे।

[सं० आ० 8-1/78-ए०सी०]

S.O. 3343.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Katagiri Co-operative Urban Bank Ltd., Katagiri, Tamil Nadu from the date of publication of this Notification upto 31 March, 1979.

[No. 8-1/78-AC]

का० आ० 3344.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 के उपबन्ध, इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 28 फरवरी, 1980 तक की अवधि के लिए उटकमंड टाउन को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड, उटकमंड, तमिलनाडू पर लागू नहीं होंगे।

[सं० आ० 8-1/78-ए०सी०]

ए० सी० वर्मा अवश सचिव

S.O. 3344.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Ootacamund Town Co-operative Urban Bank Ltd., Ootacamund, Tamil Nadu from the date of publication of this Notification to 28 February, 1980.

[No. 8-1/78-AC]

M. P. VARMA, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतिय, मद्रास

मद्रास, 25 जुलाई, 1978

का०आ० 3345.—भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथासंशोधित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमबाली, 1944 के नियम 15 तथा 16 के द्वितीय परन्तुक के ग्रन्थीन प्रदत्त घोषियों का प्रयोग करते हुए तथा इस कार्यालय के दिनांक 18-8-69 के सी० सं० V/4/30/48 के००००००-III द्वारा जारी अधिसूचना का अधिक्रमण करते हुए संलग्न विवरण के कालम-4 में उल्लिखित राजस्व भेदाधिकार से संबंधित घोषियों के बारे में, मैं इसके द्वारा यह अधिसूचित करता हूँ कि तम्बाकू की खेती करने वाला किसान केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमबाली-1944 के नियम-15 के ग्रन्तर्गत घोषणा किये बिना 12 एवं भूमि पर वायु द्वारा संसाधित भारतीय तम्बाकू की खेती कर सकता है तथा संसाधक 60 किलोग्राम की सीमा तक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमबाली, 1944 के नियम-16 के ग्रन्तर्गत घोषणा किये बिना, इण्डियन एयर-क्षोई तम्बाकू सिद्धा सकता है।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतिय मद्रास में तम्बाकू पैदा करने वाले विरल धेत्र दर्शने वाला विवरण

क्रम सं०	डिवीडन्/	रेंज/सफिल/डिवीजन	राजस्व भेदाधिकार से
	रेंज का नाम	का राजस्व भेदाधिकार	संबंधित विरल धेत्र के रूप में घोषित

1	2	3	4
---	---	---	---

1. पाष्ठुन्क्षेरी डिवीजन

1. पृष्ठति पृष्ठति, कदम्बयुलियूर तथा करुनजीपांडी के राजस्व फिरके तथा कुड्हालोर तालुक, विक्षणी आर्कोट जिले के नोलिकुप्पन फिरकों में आर गांव विक्षणी आर्कोट जिले के कुटालोर तालुक के कुरंजिपांडी फिरके में स्थित के० नमरकुप्पम, नेटकुप्पम (कुरंजिपांडी के राजस्व फिरके के ग्रन्तर्गत आने वाले गांवों का भाग) करुनजीही, अब्द्यानपुरम पराशीपुरम, वेलमपट्टी चतरम गांव

2. कुड्हालोर विक्षणी आर्कोट जिले के कुड्हालोर तालुक द्वारा यायन्यम, पालुर तथा सनियासी पेटट्टी गांवों को छोड़कर कुड्हालोर ग्रो० टी०, मन्जेकुप्पम कुलंचावडी, नेलीकुप्पम फिरके विक्षणी आर्कोट जिले में कुड्हालोर तालुक के इमाडु पालामरायंथम, पालुर तथा सन्धीयासी पेटट्टी गांव को छोड़कर कुड्हालोर ग्रो० टी०, मन्जेकुप्पम, कुलंचावडी, नेलीकुप्पम फिरके

3. टिण्डिवनम टिण्डिवनम तालुक विक्षणी आर्कोट जिले में टिण्डिवनम तालुक

1	2	3	4
4. विलुपुरम	विलुपुरम तालुक जिसमें विक्षण आर्कोट जिले के कमाईकंजनूर कंजनूर, विलुपुरम तथा जिन्जी थिकावण्डी, वलवनूर, तालुक के सभी फिरके। मंगलम फिरके भी शामिल हैं तथा विलुपुरम तालुक तथा जिन्जी, सेथामंगलम, नेलमलामनूर, सेथानपांडी मेलालकुर फिरके।	1	2
5. पिरुकोइलुर	धीरुकोयलुर तालुक के पांच फिरको अर्थात् थिस्कोय-पुर, मनलुपेट, इलावन-सुरकोट्टै, मुगायुर तथा विस्वविलुपुर	3	4
6. कल्लकुरिचि	विक्षणी आर्कोट जिले में धीआगाडुरगम तथा ज्ञायिं-बेंडराम फिरकों को छोड़कर सारा कल्लकुरिचि तालुक	1	2
7. तंजोर	तंजोर जिले के तंजोर, ओर-आनड, पटटुकोट्टाई तथा आरंधोगी तालुक	3	4
8. वेदारन्यम	समस्त वेदारन्यम फिरके तथा तलायनयर फिरके के छ: गांव अर्थात् वेलावलम नबुदेधापटी कालामेहु, थावनायीकुलम एवंरीकुडु तथा यिल्लुपुरैपुण्डी तालुक के तंजोर के मचिकुल फिरके के 3 गांव तथा यिल्लै वेलगांव इंतुबवनम और कर्पणथिकिलन।	1	2
9. चिदाम्बरम्	चिदाम्बरम् राजस्व तालुक पूर्ण फिरका चिदाम्बरम् और सेद्यायोप फिरके में-	3	4
10. कुम्भकोनम	कुम्भकोनम तालुक के पंडनलुपुर फिरक को छोड़कर पपनसम तालुक और कुम्भकोनम तालुक	1	2
2. वेल्लोर डिवीजन	2. वेल्लोर डिवीजन	3	4
1. घिरवन्नामलै	एम्मोरोम्मार० जिसमें 26 गांव शामिल हैं, सारा हरायरलू फिरका जिसमें 24 गांव शामिल हैं, चेंगम तालुक के 14 पर्वतीय गांव चेंगम तालुक की पूरबांगीपांडी फिरका नेलामंजूमूर, वेल्लोर गांव को छोड़कर सारा तालीपांडी फिरका, साथामूर तथा धीरानम को छोड़कर सारा छन्द्रमपथ फिरका, धीरुक्कन्ना मसारी	1	2

1	2	3	4
सप्तनूर तथा बीरानम को छोड़कर सारा थलडरमधुर फिरका, एक्षमपलम, मधुमपर, किलपनाधुर तथा वेत्यालयनम को छोड़- कर सारा थोरवनामलाई तालुक तथा उत्तरी घ्रकोट जिले का उरानी पोसुर चेपार तथा बेन्डीवाश के सारे ऐसे तालुके जो तम्बाकू की खेती नहीं करते ।			
2. बेनीयामबड़ी सारे तिरपायुर तथा बनिय- एम०ओ०आर म्बड़ी तालुक		तिरपायुर और बगिरबड़ी सारे तालुके ।	
3. सलेम इच्चीखल			
1. धर्मपुरी धर्मपुरी तालुक कृष्णगिरी एम०ओ०आर तालुक, हुशर तालुक तथा पलकोड तालुक		सारा धर्मपुरी तालुक, कृष्णगिरि तालुक, हुशर तालुक तथा पलकोड तालुक ।	
2. इम्पटटी, सलेम जिले में अत्तर तालुक गंगावहस्ती बीरानगुर तथा एम०ओ०आर बेलाई गंगा ।			
3. बेलुर आई० सलेम जिले में नमककल तालुक भोज्हुर, पारामधी, कवीलास- भाई० फीरकास तथा बेलुर (स्थानीय)			
4. तिकिचेन गोड सलेम जिले में थोरचमियोड, मोलासी सुरीरी, कुथमधुरी एम०ओ०आर० तालुक अरावत्तीपटी गोवों तथा तीरचीनगोड तालुक ।			

**Statement showing the sparse Tobacco growing area in Madras
Central Excise Collectorate**

Sl. No.	Name of the Divi- sion/Ra- nge	Revenue jurisdiction of the Range/Circle/ Division	Area in terms of Revenue Jurisdiction declared as sparse growing areas
1	2	3	4
1. PONDICHERRY DIVISION			
1.	Panruti	Revenue firkas of Panruti, Kadambiliyoor and Karunjipadi and 4 villages in Nelliukuppam firkas of Cuddalore Taluk, South Arcot District.	K. Namarkuppam, Nettukuppam (portion of the villages coming under the revenue firkas of Kurinjipadi), Karunguzhi Abathana-puram, Parathipuram, Vedhalampatti, Chatram village located in Kurinjipadi firkas of Cuddalore taluk of South Arcot District.
2.	Cuddalore	Cuddalore O. T. Manjeekuppam, Kullanc h a v a d i, Nelliukuppam firkas except Emmedu, Pallanarayanatham, Palur and Saniyasi pettai villages of Cuddalore Taluk South Arcot District.	Cuddalore O. T Nanjakuppam, Kullanc h a v a d i, Nelliukuppam firkas except Emmedu, Pallanarayanatham, Palur and Sanniyasipettai villages of Cuddalore Taluk, South Arcot District.
3.	Tindivanam	Tindivanam Taluk	Tindivanam Taluk in South Arcot District.
4.	Villupuram	Villupuram Taluk consisting of Villupuram, Kamai Kanjnoor, Vakaravandi, Valavanoor, Mangalam firkas and Gingee, Senthamangalam, Nelmalaiyanoor, Sethanpadi, Melolakkur firkas.	All the firkas in Villupuram and Gingee Taluks of South Arcot District.
5.	Thirukoilur	Five firkas of Thirukoilur taluk viz., Tirukoilur, Manalurpet, Elavanasurkottai, Mugaiyur and Thiruvannainallur.	Villages of Edayur, Parenadal, Nariedal, Mugaiyur, Thanam, Keelthalanoor and Sengurichy in South Arcot District.
6.	Kallakurichi	The whole of Kallakurichi taluk except Thiyyagaduram and Rishivandiram firkas in South Arcot District.	The whole of Kallakurichi taluk except Thiyyagaduram and Rishivandiram firkas in South Arcot District.

1	2	3	4	1	2	3	4
7. Tanjore	Tanjore, Orathanad, Pattukottai and Aranthangi taluks of Tanjore Dist.	Tanjore, Orthanad, Pattukottai and Aranthangi taluks of Tanjore District		1. Thiruvannamalai.— contd.	Chengam taluk, entire Tanipady firka of Chengam taluk except the villages of Tanipady, C. Andapet, T. Velur, Veppuchekkadi, Nalam-anjanur, Perungulathur, entire Thandarampet firka excepting Sathanur and Veeranam.	T. Velur, Veppuchekkadi, Nalam-anjanur, Perungulathur, entire Thandarampet firka excepting Sathanur and Veeranam.	In Thiruvannamalai, entire taluk except Andampallam, Malurampet, Venathur, Kilpon-nathur and Veluthalangulam villages and the whole taluks of Arni, Polur, Cheyyar and Vandiwash which do not grow tobacco.
8. Vedaranyam	Whole of Vedaran-yam firkas and six villages viz., Vellapallam, Nabuve-dhapatty, Kallim-edu, Tavanaikulam, Avarikadu and Koilpattu of Talai-nayar firka and 3 villages viz., Thilla-ivalagam, Idum-bavanam and Kar-pagathikilam of Machikulam firka of Thiruthurai-poondi taluk, Tanjore District.	Whole of Vedaran-yam firkas and six villages viz., Vellapallam, Nabuve-dhapatty, Kallim-edu, Tavanaikulam, Avarikadu and Koilpattu of Talai-nayar firka and 3 villages viz., Thilla-ivalagam, Idum-bavanam and Kar-paganathikilam of Manchikulam firka of Thiruthurai-poondi taluk, Tanjore District.		2. Vaniyambadi. MOR.	Whole of Tirupathur and Vaniyambadi taluks.	Entire taluks of Tirupathur and Vaniyambadi.	
9. Chidamba-ram.	Chidamnaram Reve-nue Taluk.	The area other than Chidambaram East firka, Bhuvanagiri firka and Sithamalli and Pa-pathur villages in Sethyathope firka.		3. SALEM DIVISION			
10. Kumba-konam.	Papanasam taluk and Kumbakonam taluk except Pana-danallur firka of Kumbakonam Taluk.	Papanasam taluk and Kumbakonam taluk except Pana-danallur firka of Kumbakonam taluk.		1. Dharmapuri.— MOR.	Dharmapuri Taluk, Krishnagiri taluk, Harur taluk and Palacode taluk.	Entire Dharmapuri taluk, Krishnagiri taluk, Harur taluk and Palacode taluk.	
2. VELLORE DIVISION							
1. Thiruvannamalai.— MOR.	Whole of Pudupalayam firkas comprising of 26 vil-lages, whole of Erailur firka comprising of 34 vil-lages, Hill villages of 14 villages in	Pudupalayam, Eraiylur firka and fourteen hilly villages of Chengam taluk, entire Tanipadi firka excepting the villages of Tanipadi, C. Andapet,		2. Thammapatty.— MOR.	Attur taluk in Salem District.	Gangavalli, Veera-ganur and Vellai-yur villages.	
				3. Velur.I.R.	Namakkal taluk in Salem District.	Mohanur, Parama-thy, Kabilarmalai firkas and Velur (Local).	
				4. Thiruchen-gode.— MOR.	Tiruchengode taluk in Salem District.	Molasi, Musiri, Koothampondy, Aravasipatti vil-lages and Tiruchen-gode taluk.	

[C. No. V/4/30/2/77—CX.I]
I. J. RAO, Collector of Central Excise

(राजस्व और वैकिंग विभाग)

प्रायकर प्रायुक्त कार्यालय, विवरं, नागपुर

नागपुर, 12 अक्टूबर, 1978

फा० आ० 3346.—चूंकि केन्द्रीय सरकार की राय में यह भाषणक और उचित है कि 1977-78 वित्तीय वर्ष की श्रवणि में कर के अकायादार निधि-रितीयों, जिनके मामलों में एक लाख से अधिक रुपयों को बट्टे खाते में डाला गया है, के नाम और पतों को सोक हित में प्रकाशित किया जाए।

2. और चूंकि प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 (1961 का 43) द्वारा प्रदत्त पक्षियों तथा ऐसी सभी शक्तियों द्वारा, जिनसे इसके लिए उनको समर्थ किया गया हो, प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से केन्द्रीय सरकार अपने तारीख 26, विसंवर, 1970 के आवेदन फा० सं० 83/108/69—भाय टी (बी) द्वारा भायकर प्रायुक्त की प्राधिकृत करती है और निवेश देती है कि ऐसे शूक्रतार्थियों के माम और पतों को प्रकाशित करें।

३. घर : मैं, आशकर शायुक्त, विवर्म, नागपुर अब एन्ट्रेक्सारा विद्यम के ३१-३-७८ तक की अवधि के विस्तीय वर्ष १९७७-७८ के कर बकायाओं के नाम और पतों को प्रकाशित करता हूँ।

क्रमांक	निर्धारिती का नाम और पता	हैतियत	निर्धारित वर्ष	बट्टे खाते में छाली गयी रकम	बट्टे खाते में छालने का संभिल कारण
1	2	3	4	5	6
				रुपये	
1.	श्री बनवारी लाल सोइया, कामठी	हिंगूप०	1958-59 1959-60 1960-61 1961-62 1962-63 1963-64 1964-65 1964-65 वार्षिक जमा 1965-66 1966-67 1966-67 वार्षिक जमा	10,300 4,907 80,054 66,722 2,70,358 2,95,423 82,842 21,855 3,255 7,520 1,850	बसूल न होने वाली है।
				<hr/> रु 8,45,086	
2.	मेसर्स भार० भार० अप्रबाल प्रा० लि०, कामठी	कम्पनी	1959-60 1960-61 1961-62 1963-64 1964-65 1966-67 1967-68 1968-69 1970-71	6,463 990 12,923 1,57,396 74,952 2,43,371 2,87,916 2,54,441 8,634	बसूल न होने वाली है।
				<hr/> रु 10,47,086	
3.	मेसर्स प्रार०प्रार० सोइया एच सन्स, कामठी	प० फ०	1969-70 1970-71 1971-72	9,01,200 3,58,862 4,21,273	बसूल न होने वाली है।
				<hr/> रु 16,79,355	
4.	मेसर्स रामकृष्णा रामनाथ, कामठी	प० फ०	1957-58 1958-59 1959-60 1960-61 1961-62 1962-63 1963-64 1964-65 1965-66 1967-68 1968-69 1969-70	29,000 69,000 11,300 6,43,249 2,32,422 1,15,276 6,31,962 5,13,642 1,730 560 1,61,964 1,28,217	बसूल न होने वाली है।
				<hr/> रु 25,38,322	

1	2	3	4	5	6
रुपये					
5. मेसर्स रामकृष्णा रामनाथ, (हि०ग्र०प०) कामठी	हि० ग्र० प०	1951-52 1952-53 1953-54 1954-55 1955-56 1956-57 1957-58	11,300 22,200 1,70,000 97,050 3,69,872 8,52,263	11,300 बसूल न होने वाली है। 22,200 1,70,000 97,050 3,69,872 8,52,263	
				रु० 15,23,587	
6. स्व० श्री राधाकिशन लोहवा (हि०ग्र०प०), कामठी	हि० ग्र० प०	1958-59 1959-60 1960-61 1961-62 1962-63 1963-64	1,07,670 14,330 3,18,065 1,87,269 4,89,912 1,76,528	1,07,670 बसूल न होने वाली है। 14,330 3,18,065 1,87,269 4,89,912 1,76,528	
				रु० 12,71,774	

[फा० स० रिकवरी, (645/77-78)]

ह०

(न० य० ताहमणे)
आयकर आयकृत, विवर्भ, नागपुर

(Department of Revenue & Banking)

Office of the Commissioner of Income-Tax, Vidarbha Nagpur

Nagpur, the 12th October, 1978

S.O. 3346.—Whereas, the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and addresses hereinafter specified relating to tax defaulters in whose cases amounts over Rs. 1 lakh were written off during the financial year 1977-78.

2. And whereas, in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling it in this behalf, the Central Government by its Order F. No. 83/108/69-IT(B), dated the 26th December, 1970, authorised and directed the Commissioner of Income-tax to publish the names and addresses of such tax defaulters.

3. Now, therefore I, Commissioner of Income-tax, Vidarbha, Nagpur, hereby publish the names and addresses of the tax

defaulters in Vidarbha as on 31-3-1978 relating to the financial year 1977-78.

S. No.	Name and addresses of the assessee	Status	Asstt. year	Amount written off	Brief reasons for write off
1	2	3	4	5	6
				Rs.	
1.	Shri Banwari- lal Loiya, Kamptee.	HUF.	1958-59 1959-60 1960-61 1961-62 1962-63 1963-64 1964-65 ,, AD 1965-66 1966-67 ,, AD	s 10,300 4,907 80,054 66,722 2,70,358 2,95,423 82,842 21,855 3,255 7,520 1,850	
					Irrecover- able.
				8,45,086	

1	2	3	4	5
2. M/s. R. R. Co.		1959-60	6,4636/-	
Agarwal Pvt.		1960-61	990/-	
Ltd. Kamptee		1961-62	12,923/-	
		1963-64	1,57,396/-	
		1964-65	74,952/-	Irrecover-
		1966-67	2,43,371/-	able.
		1967-68	2,87,916/-	
		1968-69	2,54,441/-	
		1970-71	8,634/-	
			10,47,086/-	
3. M/s. R. R. R.F.		1969-70	9,01,200/-	
Loiya & Sons,		1970-71	3,56,862/-	Irrecover-
Kamptee.		1971-72	4,21,273/-	able.
			16,79,355/-	
4. M/s. Ram- R.F.		1957-58	29,000/-	
krishna Ram-		1958-59	69,000/-	
nath, Kamptee		1959-60	11,300/-	
		1960-61	6,43,249/-	
		1961-62	2,32,422/-	Irrecover-
		1962-63	1,15,276/-	able
		1963-64	6,31,962/-	
		1964-65	5,13,642/-	
		1965-66	1,730/-	
		1967-68	560/-	
		1968-69	1,61,964/-	
		1969-70	1,28,217/-	
			25,38,322/-	
5. M/s. Ram- HUF		1951-52	11,300/-	
krishna Ram-		1952-53	22,200/-	
nath, (HUF)		1953-54	1,70,000/-	Irrecover-
Kamptee.		1954-55	97,050/-	able.
		1956-57	3,69,972/-	
		1957-58	8,52,263/-	
			15,23,587/-	
6. Late Shri HUF.		1958-59	1,07,670/-	
Radhakrishnan		1959-60	14,330/-	
Loiya (HUF)		1960-61	3,16,065/-	Irrecover-
Kamptee.		1961-62	1,67,269/-	able.
		1962-63	4,89,912/-	
		1963-64	1,76,528/-	
			12,71,774/-	

[F. No. Recy. (64)/77-78]

N. Y. TAMHANE, Commissioner of Income-tax
Vidarbha, Nagpur

वाणिज्य नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता भंगालय

आदेश

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1978

का० आ० 3347.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भारत के नियांत्रित व्यापार के विकास के लिये ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि नियांत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवर्त्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चमड़े के दस्ताने नियांत्रित से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन किये जाएं;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिये नीचे विनियिष्ट प्रस्ताव तैयार किये और उन्हें नियांत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप नियम (2) की अपेक्षानुसार नियांत्रित निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है;

अतः अब, उक्त उप नियम के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उनसे संबंधितः प्रावित होने वाले सभी लोगों की जानकारी के लाये प्रकाशित करती है।

सूचना यी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में जो कोई व्यक्ति आक्षेप या सुझाव भेजना चाहते हैं उन्हें इस आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतालीस दिनों के भीतर नियांत्रित निरीक्षण परिषद् “वल्ह ट्रेड सेन्टर” (8वीं मंजिल) 14/1 ए जरा स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

1. (1) अधिसूचित करना कि चमड़े के दस्ताने नियांत्रित से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होगे;

(2) इस आदेश के उपर्युक्त 1 में दिए गए चमड़े के दस्तानों के नियांत्रित (निरीक्षण) नियम 1978 के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विविधिष्ठ करना जो ऐसे चमड़े के दस्तानों पर नियांत्रित से पूर्व लागू किया जाएगा;

(3) नियांत्रित संविदा में दिए गए विनियोगों को या केता द्वारा अनुमोदित नमूने को जैसी भी स्थिति हो, नियांत्रित द्वारा की गई घोषणा के अनुसार मान्यता देना;

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे चमड़े के दस्तानों के नियांत्रित को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उसके साथ नियांत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित नियांत्रित निरीक्षण अधिकारों में से किसी एक के द्वारा जारी किया गया इस आदेश का प्रमाण-पत्र न हो कि ऐसे चमड़े के दस्तानों का प्रेषण इस पर लागू मात्रक विनियोगों के अनुरूप है और नियांत्रित योग्य है।

2. इस आदेश में ‘चमड़े के दस्तानों’ से इस आदेश की अनुसूची में दिए गए सभी प्रकार के दस्ताने अधिकृत हैं।

3. इस आदेश की कोई भी भाव भावी फेताओं को स्थल, समुद्र या वायु मार्ग द्वारा नमूने के रूप में चमड़े के दस्तानों के नियांत्रित को लागू नहीं होगी परन्तु ऐसा नियांत्रित प्रत्येक डिजाइन और आकार में चमड़े के दस्तानों के बों जोड़ों तक सीमित है।

अनुसूची

1. चमड़े के दस्ताने:

(क) पूरे चमड़े के

(ख) स्टेपल किये हुए वोहरी हथेली के दस्ताने।

(ग) चमड़े का पीछा तथा हथेलीया, सीवन रहित दस्ताने।

2. चमड़े की तिलसी :

- (क) अन्दरूनी तिलसी वाली निलसी तथा एक ऊंगली वाली तिलसी ।
(ख) प्रागे के हिस्से में चमड़े वा कैन्वेट सहित फैस्ट वाईट वाली तिलसी ।

3. चमड़े के दस्ताने :

- (क) कैन्वेट वा चमड़े के कफ सहित, अंगुठे तथा ग्राने की ऊंगली के भीच में द्रुटिकरण सहित या रहित चमड़े की अन्दरूनी सीबन रहित दस्ताने ।
(ख) ऊंगलियों के पहले जोड़ को हृदयी से वित्ति द्वारा धारी वाले पैंडवनों तथा एवंतीन सहित चमड़े के अन्दरूनी सीबन रहित दस्ताने ।

4. चमड़े के लूप के लिये कवच ।

5. अन्य प्रकार के दस्ताने ।

उपावस्था-1

नियति (क्वालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने के लिए
संबंधित नियमों का प्रारूप

- संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम चमड़े के दस्तानों का नियति (निरीक्षण) नियम, 1978 है ।
(2) ये.....को प्रवृत्त होंगे ।
- परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :
(1) "अधिनियम" से नियति (क्वालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है ।
(2) "अभिकरण" से नियति (क्वालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केवल सरकार द्वारा सुमई, कलकत्ता, कोकीन, विल्सी और माराण में स्थापित नियति निरीक्षण अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है ।
(3) "चमड़े के दस्तानों" से इस आवेदन की अनुसूची में विनिविष्ट किसी भी प्रकार के चमड़े के दस्ताने अभिप्रेत है ।
- निरीक्षण का आधार:—नियति किए जाने वाले चमड़े के दस्तानों का निरीक्षण यह देखने के विषार से किया जाएगा कि चमड़े के दस्ताने नियति कर्ता द्वारा घोषित, यथास्थिति, नियति संविदा में दिए गए विनियोगों या केता द्वारा अनुमोदित नमूनों के अनुरूप है या नहीं ।
- नियति की प्रक्रिया:—(1) चमड़े के दस्तानों का नियति करने का इच्छुक नियतिकर्ता अपने ऐसा करने के भावाय की सूचना लिखित रूप में देगा तथा ऐसी सूचना के साथ ऐसे नियति से संबंधित नियति संविदा में अनुबद्ध विनियोगों की घोषणा नियति निरीक्षण अभिकरणों में से किसी एक को देगा जिससे वह नियम 3 के अनुसार निरीक्षण कर सके ।
(2) नियति संविदा में अनुबद्ध विनियोग यदि केता द्वारा अनुमोदित नमूने के रूप में है तो नियति कर्ता तदनुसार अनुमोदित नमूने तथा इसकी विषेशताओं सहित एक घोषणा अभिकरण को प्रस्तुत करेगा ।
(3) उप-नियम (1) के प्रधीन प्रत्येक सूचना या उप-नियम (2) के प्रधीन घोषित नमूना पोष-सदाचार की प्रत्याशित तारीख से कम से कम पांच दिन पहले प्रस्तुत किया जाएगा ।
(4) उप-नियम (3) के प्रधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण चमड़े के दस्तानों के प्रत्येक का निरीक्षण यह देखने के विषार से करेगा कि ये नियतिकर्ता की घोषणा के अनुसार, यथास्थिति, नियति संविदा में अनुबद्ध विनियोगों या केता द्वारा अनुमोदित नमूने के अनुरूप है या नहीं ।

(5) निरीक्षण के लिए अनुरोध प्राप्त होने पर उस निमित्त प्राधिकृत अभिकरण अधिकारी निरीक्षण स्थान को आएगा । नियति कर्ता निरीक्षण के लिए लौंड को ठीक हुआ से बैक की हड्डी दशा में देगा और डिब्बों को इन हड्डों से रखेगा कि उनकी ठीक हुआ से बैक में बगड़ जायेंगे ।

(6) निरीक्षण अधिकारी दिए गए लौंड में से बानी के नमूने देगा । लौंड में से नमूने लेने के लिए बैकेज यन्त्र-तंत्र से चुन लिए जायेंगे । चयन (छानी) की बेतरतीबी सुनिश्चित करने के लिए बेतरतीब संख्या मारणी प्रयोग में लाई जाएगी । नीचे दी गई नमूना-मारणी बैकेजों की अपेक्षित संख्या लेने के लिए प्रपतनायी जाएगी ।

लौंड में बैकेजों की संख्या

चुने जाने वाले बैकेजों की संख्या

5 तक	2
6 से 10 तक	3
11 से 20 तक	4
21 से 30 तक	5
31 से 50 तक	8
50 से अधिक	12

टिप्पणी:—चुने जाने वाले बैकेजों की ऊंचर दी गई संख्या अनुत्तम है । ऐसी बैशा में जहां चुने गए बैकेजों में से नमूने के जोड़ों की अपेक्षित संख्या प्राप्त करना संभव नहीं है वहां नमूनों के जोड़ों की विहित संख्या प्राप्त करने के लिए और बैकेज लिए जा सकते हैं ।

(7) इस प्रकार चुने द्वारा प्रत्येक बैकेज में से क्षणमय बराबर संख्या में जोड़े उपर्युक्त स्थानों से लिए जाएंगे जिसमें कि नमूने के जोड़ों की अपेक्षित संख्या प्राप्त की जा सके ।

(8) ओविन नमूना/विनियोगों से लौंड की अनुरूपता प्रवधारित करने के लिए निम्नलिखित नमूना/निरीक्षण मारणी अपनायी जाएगी ।

नमूनों की संख्या तथा दोषयुक्त नमूनों की अनुमोद संख्या

लौंड में चमड़े के दस्तानों के जोड़ों की संख्या	चुने जाने वाले दोषयुक्त जोड़ों की संख्या	विनाशक दस्तानों के जोड़ों की संख्या	अनुरूप संख्या	परीक्षण के प्रीसेप्ट संख्या	चुने जाने वाले जोड़ों की संख्या
5	0	0	0	0	0
6 से 10	1	1	1	1	1
11 से 20	2	2	2	2	2
21 से 30	3	3	3	3	3
31 से 50	4	4	4	4	4
50 से अधिक	5	5	5	5	5

बैकेज	छोटे	छोटे	छोटे	छोटे
15 तक	7	शून्य	शून्य	1
16 से 40	10	शून्य	1	1
41 से 110	15	शून्य	1	1
111 से 300	25	शून्य	2	1
301 से 500	35	1	2	1
501 से 800	50	2	3	1
801 से 1300	75	3	5	1

(9) लौंड में से चुने गए सभी जोड़ों के अभिकरणों की ऊंचर की जाएगी और प्रेषणों को विहित प्रस्तुत किया जाएगा यदि इन अभिकरणों की प्रेषकारणों को न पूरा करने वाले जोड़ों की संख्या नमूना-मारणी में दी गई तत्त्वानी खराब जोड़ों की अनुमोद संख्या से कम या उसके बराबर है तो यह घोषित किया जाएगा कि लौंड इन अभिकरणों

की अपेक्षाएं पूरा करती है यदि खराच जोड़ों की संख्या अमुज़ेय संख्या से अधिक है तो यह घोषणा की जाएगी कि लॉट इन अभिक्षणों के अनुलूप नहीं है।

5. सील करना—यदि उपर्युक्त प्रकार से निरीक्षण करने के पश्चात् लॉट निर्धारित अपेक्षाओं के प्रत्युत्तर पाइ आती है सो पैकेज, निर्यात निरीक्षण परिपद की सरकारी सील के साथ सील बंद किए जाने।

6. निरीक्षण का प्रमाण पत्र—(1) अपना यह समाप्तान कर देने के पश्चात् कि अमड़े के दस्तानों का परेषण निर्यात मंचिदारों में अनुबृद्ध अपेक्षाओं के अनुलूप है, अभिकरण सूचना की प्राप्ति के पांच दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए कि परेषण निर्यात योग्य है, निर्यात-कर्ता को निरीक्षण प्रमाण जारी करेगा :

परन्तु जहाँ अभिकरण का ऐसा समाधान नहीं होता है वहाँ वह 5 दिनों की उक्त प्रवधि के भीतर निर्यात-कर्ता को ऐसा प्रमाण-पत्र देने से इकार करेगा तथा कारणों सहित ऐसे इकार की सूचना लिखित रूप में उसे देगा।

(7) निरीक्षण का स्थान—इन नियमों के प्रयोजन के लिए चमड़े के दस्तानों का निरीक्षण (क) या तो विनिर्माता के परिसर में या (ख) निर्यात-कर्ता के परिसर में किया जाएगा परन्तु तभी जब जहाँ निरीक्षण के लिए पर्याप्त मुक्तिशाली विषयान हों या ऐसा निरीक्षण पोतलदान के बन्धरगाह पर किया जाएगा अभिकरण को परेषण के प्रमाणीकरण के पश्चात् भी, जब तक देश से पोत बाहर नहीं हो जाता उस परेषण का निरीक्षण करने का अधिकार प्राप्त होगा।

8. निरीक्षण कीस—इन नियमों के प्रधीन प्रत्येक परेषण के लिए न्यूनतम तीस रुपए के अधीन रहते हुए निर्यात-कर्ता द्वारा पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के प्रत्येक सौ रुपये या उसके भाग के लिए 50 पैसे की दर से कीस के रूप में अभिकरण को संवत्स की जाएगी।

9. अपील—(1) नियम 4 के उप-नियम (9) के प्रधीन अभिकरण द्वारा निर्यात योग्यता का प्रमाण-पत्र देने से इकार किए जाने असंतुष्ट कोई व्यक्ति ऐसे इकार की सूचना प्राप्त होने से वह दिन के भीतर विवेदानों के पैनल को अपील कर सकेगा। विवेदानों के पैनल में तीन से अन्यून और सात से अनधिक उतने सवस्य होंगे जितने इस प्रयोजन के लिए केंद्रीय सरकार नियुक्त करे।

(2) विवेदानों के पैनल की कुल सवस्य संख्या के कम से कम दो-तिहाई सवस्य गैर सरकारी होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी।

(4) अपील का निपटारा उसके प्राप्त होने के पश्चात् दिन के भीतर कर दिया जाएगा।

(5) ऐसी अपील पर पैनल का निर्णय अंतिम होगा।

[सं० ६ (५)/७८ ति० नि० संघ नि० उ०]

सी० बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION ORDER

New Delhi, the 23rd November, 1978

S.O. 3347.—Whereas, the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) leather gloves should be subject to quality control and inspection prior to export.

And whereas the Central Government has formulated certain proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council.

as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposals for information of the public likely to be affected thereby.

Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this Order in the Official Gazette to the Export Inspection Council 'World Trade Centre,' (7th floor), 14/1B, Ezra Street, Calcutta-700001.

PROPOSALS

1. (1) To notify that leather gloves shall be subject to quality control and inspection prior to export ;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Leather Gloves (Inspection) Rules, 1978 set out in Annexure I to this order as the type of quality control and inspection which shall be applied to such leather gloves prior to export;

(3) To recognise the specifications as a stipulated in the export contract of the sample approved by the buyer, as the case may be, as declared by the exporter;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of any such leather gloves unless the same are accompanied by a certificate issued by one of the Export Inspection Agencies established by the Central Government under section 7 of the export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of such leather gloves conforms to the standard specifications applicable to it and is exportworthy.

2. In this Order "leather gloves" shall mean all types of gloves given in the schedule to this Order.

3. Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of leather gloves as samples to prospective buyers, provided such export is confined to two pairs of leather gloves in each design and size.

SCHEDULE

1. Leather Gloves :

- (a) All leather
- (b) Stapled double-palm gloves.
- (c) Leather back and palms, unseem gloves.

2. Leather Milts :

- (a) Inseam milts and one finger milts.
- (b) Felt lines, with canvas or leather faced palms.

3. Leather Gauntlet :

- (a) Leather inseam gauntlet with canvas or leather cuffs with or without reinforcement between thumb and fore-finger.
- (b) Leather inseam gauntlet with vein patches and aprons covering palm to first joint of fingers.

4. Leather Hand Guards :

5. Other Types of Gloves.

ANNEXURE I

Draft Rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963

(22 of 1963)

1. Short Title and Commencement.—(1) These rules may be called the Export of Leather Gloves (Inspection) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on _____.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :

- (i) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(ii) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies established by the Central Government at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

(iii) "leather gloves" means any type of leather gloves specified in the schedule to this Order.

3. Basis of Inspection.—Inspection of leather gloves for export shall be carried out with a view to seeing that leather gloves conform to the specifications stipulated in the export contract or the sample approved by the buyer, as the case may be as declared by the exporter.

4. Procedure of Inspection.—(1) An exporter intending to export leather gloves shall give intimation, in writing of his intention so to do and submit along with such intimation a declaration of the specifications stipulated in the export contract relating to such export to any one of the Export Inspection Agencies to enable it to carry out the inspection in accordance with rule 3.

(2) In case the specifications stipulated in the export contract are in the form of a sample approved by the buyer, the exporter shall submit accordingly a declaration along with the approved sample and its characteristics to the agency.

(3) Every intimation under sub-rule (1) or the sample declared under sub rule (2) shall be submitted not less than five days before the expected date of shipment.

(4) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (3), the agency shall inspect the consignment of leather gloves with a view, to seeing that the same conforms to the specifications stipulated in the export contract or the approved sample as declared by the exporter, as the case may be.

(5) On receipt of the request of inspection, the agency officer authorised in this behalf, shall visit the place of inspection. The exporter shall offer the lot for inspection in suitably packed condition and shall keep the cases in a countable manner. Leather gloves shall be packed in the cases in pairs.

(6) The inspecting officer shall draw representative samples from the lot so offered. Packages to be selected from the lot for drawing samples shall be chosen at random. In order to ensure the randomness of selection, a random number table shall be used. The sampling table given below shall be followed for drawal of the required number of packages :

No. of the packages in the lot	No. of the packages to be selected
up to 5	2
6 to 10	3
11 to 20	4
21 to 30	5
31 to 50	8
Over 50	12

Note : The number of packages to be selected given above are the minimum. In case where it is not possible to obtain the required number of sample pairs from the selected packages, further packages may be drawn to obtain the prescribed number of sample pairs.

(7) From each of the packages so chosen, approximately equal number of pairs shall be picked out from its different places so as to obtain the required number of sample pairs.

(8) To adjudge the conformity of the lot to the declared sample/specifications, the following sampling/inspection table shall be followed :

Scale of sampling and permissible number of defectives.

No. of leather gloves pairs in the lot	No. of pairs to be selected	Permissible no. of defective pairs	No. of pairs for destructive tests
	Major	Minor	
up to 15	7	nil Nil	1
16 to 40	10	nil 1	1
41 to 110	15	nil 1	1
111 to 300	25	nil 2	1
301 to 500	35	1 2	1
501 to 800	50	2 3	1
801 to 1300	75	3 5	1

(9) All the pairs selected from the lot shall be examined for their characteristics and the observations recorded in the prescribed proforma. If the number of pairs failing to satisfy the requirements for these characteristics is less than or equal to the corresponding permissible number of defective given in the sampling table, the lot shall be declared to have satisfied the requirements for these characteristics. If, however, the number of defective pairs exceed the permissible numbers, the lot shall be declared as not conforming to the requirements for these characteristics.

5. Sealing.—If after carrying out the inspection as outlined above the lot is found to satisfy the prescribed requirements, the packages shall be sealed with the official seal of the Export Inspection Council.

6. Certificate of Inspection.—(1) After satisfying itself that the consignment of leather gloves complies with the requirements stipulated in the export contract the agency shall within five days of the receipt of intimation, arrange to issue the certificate of inspection to the exporter declaring the consignment as exportworthy.

Provided that where the agency is not so satisfied it shall within the said period of five days, refuse to issue, such certificate and communicate such refusal in writing to the exporter stating the reasons therefor.

7. Place of Inspection.—Inspection of the leather gloves for the purpose of these rules shall be carried out either (a) at the premises of the manufacturer (b) at the premises of the exporter, provided adequate facilities exist therein for inspection or at the port of shipment. The agency shall however have the right to inspect the consignment, after its certification, till it is shipped from the country.

8. Inspection Fee.—Subject to a minimum of Rupees thirty for each consignment, a fee at the rate of fifty paise for every hundred rupees or fraction thereof of the F.O.B. value under these rules shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.

9. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate of exportworthiness under sub rule (9) of rule 4 may within ten days of receipt of the communication of such refusal by him prefer an appeal to a Panel of Experts. The Panel of Experts shall consist of not less than three and not more than seven persons as may be appointed for the purpose by the Central Government.

(2) At least two-thirds of the total membership of the Panel of Experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days from the date of its receipt.

(5) The decision of the panel on such appeal shall be final.

का० प्रा० 3348—केन्द्रीय सरकार, ग्रन्थक नियंति (निरीक्षण) नियम, 1969 के नियम 7 के प्रत्युत्तर में तथा भारत सरकार के धार्णिक्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1111 तारीख 25 मार्च, 1967 को अधिकान्त करते हुए, नीचे वीरुद्ध सार्वजी के स्तम्भ (2) में उल्लिखित घटिकाओं को उसके स्तम्भ (1) में की तरसंबंधी प्रतिक्रिया में वर्णित नियंति निरीक्षण अभिकरण के विनिश्चय के विषय उक्त नियम के अधीन अपीलों की सुनवाई के प्रयोजनार्थ विशेषज्ञों के पैनल के रूप में नियुक्त करती है;

परन्तु जहाँ उक्त पैनल का कोई सवास्य किसी अपील के विषय में वैयक्तिक रूप से हितबुद्ध है, वहाँ वह उस अपील से संबंधित कार्यवाहियों में भाग नहीं लेगा।

सारणी

प्राधिकरण, जिसके विनिश्चय के विरुद्ध अपील की जा सकती। विशेषज्ञों का पैनल गठित करने वाले घटिक जिनको अपील की जा सकती।

(1)	(2)	(1)	(2)
1. नियंति निरीक्षण अभिकरण कल्पना	(1) श्री डॉ० श्री० राजगरहिंगा, मै० गनपतराय प्रा० लि०, 2, प्रिटोरिया स्ट्रीट, कलकत्ता-700011.	(1) मुख्य प्रबन्धक, पदेन, माइका ट्रेडिंग कार्पोरेशन आफ इंडिया लि०, डाकघर गिरिजीहू, जिला हजारीबाग बिहार सवास्य
प्रधान		
	(2) श्री ओ० पी० राजगरहिंगा, मै० एन्डचन्द्र राजगरहिंगा, एड सन्स प्रा० लि०, 5, हूँडरफोड़ स्ट्रीट, कलकत्ता-700017.	(2) श्री एस० भार० सेन गुप्ता, मै० रंजन माइका हन्डस्ट्रीज, डाकघर गिरिजीहू, जिला हजारीबाग बिहार सवास्य
 सवास्य		
	(3) श्री बासदेव भारतीया, मै० बंगल रवी माइका सप्लाई कॉ०, 24, बी०, असंत लाल साह रोड, कलकत्ता-700033.	(3) श्री सागर मल जैन, मै० श्री बैथानाय, माइका वक्तै (प्रा०) लि०, डाकघर गिरिजीहू। जिला हजारी बाग, बिहार। सवास्य
 सवास्य		
	(4) श्री बासदेव एल राजगरहिंगा, मै० युनाइटेड इंडिया मिनरलस लि०, 13, हूँड-जी-पिन सारानी, कलकत्ता-700071.	(4) श्री गोपाल राम, मै० माइका कम्पनी आफ इंडिया लि०, डाकघर गिरिजीहू, जिला हजारी बाग, बिहार सवास्य
 सवास्य		
	(5) उप निवेशक (नियंति संवैदधन), आयात तथा नियंति के संयुक्त मुख्य, नियंत्रक का कार्यालय, 4 तथा 6 एस्पनेड इंस्ट, कलकत्ता-700001,	(5) रथाम मुन्हर बगारिया, मै० इस्ट इण्डिया माइका वक्तै, डाकघर पश्च्चात, गिरिजीहू बिहार सवास्य
 सवास्य		
	(6) संयुक्त निवेशक (एस०), पदेन, मारतीय नियंति निरीक्षण परिषद्, 14/1-बी०, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-700001	(6) संयुक्त निवेशक (एस०), पदेन, नियंति निरीक्षण अभिकरण-कलकत्ता, उप-कार्यालय : गिरिजीहू सवास्य
 सवास्य		
	(7) उप निवेशक, पदेन, नियंति निरीक्षण अभिकरण-कलकत्ता, उप-कार्यालय : गिरिजीहू	(7) उप-मध्य कार्यालय, पदेन, नियंति निरीक्षण अभिकरण-कलकत्ता-700001, संयोजक संयोजक

(1)	(2)	(1)	(2)	
3. नियंति निरीक्षण प्रभिकरण कलकत्ता, कोडरमा	(1) श्री एस० पी० भण्डारी, मै० छोटुराम होरिलराम (प्रा०) लि०, डाकघर सुमरीतलैया, जिला हजारीबाग, कोडरमा सदस्य (2) श्री के० एम० बरका, मै० केदारनाथ रामगोपाल, डाकघर सुमरीतलैया, जिला हजारीबाग, बिहार सदस्य (3) श्री रामेश्वर मोरी, मै० प्यारेखन्द मोरी राम चन्द्र, डाकघर सुमरीतलैया, जिला हजारीबाग, बिहार सदस्य (4) श्री पी० पार० पिलानिया, मै० इम्प्रेन्ट राजगरहिमा एण्ड सन्स लि०, जिला हजारीबाग, बिहार सदस्य (5) श्री जी० प्रसाद बरका, मै० बरका एण्ड कम्पनी डाकघर कोडरमा, बिहार सदस्य (6) संगुक्त निवेशक (एस०) पदेन 14/1-बी०, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 सदस्य (7) उप निवेशक पदेन नियंति निरीक्षण प्रभिकरण- कलकत्ता-उप-कार्यालय-गिरिजीहृ- संयोजक	(1) श्री एस० पी० भण्डारी, मै० छोटुराम होरिलराम (प्रा०) लि०, डाकघर सुमरीतलैया, जिला हजारीबाग, कोडरमा सदस्य (2) श्री के० एम० बरका, मै० केदारनाथ रामगोपाल, डाकघर सुमरीतलैया, जिला हजारीबाग, बिहार सदस्य (3) श्री रामेश्वर मोरी, मै० प्यारेखन्द मोरी राम चन्द्र, डाकघर सुमरीतलैया, जिला हजारीबाग, बिहार सदस्य (4) श्री वासवेन लाल राजगरहिमा मैसर्जै यूनाइटेड इंडिया मिन- रलस लि० (मैसर्जै भारतीय खनिज संच लिमिटेड) 13 हो-बि-मिम सरामी कलकत्ता-71 सदस्य (5) श्री वासवेन भारतीया मैसर्जै अंगाल लाल माइका सप्लाई कम्पनी 24 श्री बसन्त लाल साह रोड कलकत्ता-33 सदस्य (6) निवेशक (विद्युत तकनीकी) भारतीय मानक संस्थान, मानक संस्थान मानक भवन 9 बहादुर शाह जफर मार्ग मही बिल्ली-110002. सदस्य (7) उप-मुख्य कार्यालय पदेन नियंति निरीक्षण प्रभिकरण- फिल्सी 3 सरस्वती यारे म्यूमिसपल मार्केट बिल्डिंग नई बिल्ली-110005 सदस्य	2 प्रिटोरिया स्ट्रीट कलकत्ता-71 सदस्य (3) श्री ओ० पी० राजगरहिमा मैसर्जै इम्प्रेन्ट राजगरहिमा एण्ड सन्स प्रा० लि० 5, हन्डर फोड़ स्ट्रीट कलकत्ता-17 सदस्य (4) श्री वासवेन लाल राजगरहिमा मैसर्जै यूनाइटेड इंडिया मिन- रलस लि० (मैसर्जै भारतीय खनिज संच लिमिटेड) 13 हो-बि-मिम सरामी कलकत्ता-71 सदस्य (5) श्री वासवेन भारतीया मैसर्जै अंगाल लाल माइका सप्लाई कम्पनी 24 श्री बसन्त लाल साह रोड कलकत्ता-33 सदस्य (6) निवेशक (विद्युत तकनीकी) भारतीय मानक संस्थान, मानक संस्थान मानक भवन 9 बहादुर शाह जफर मार्ग मही बिल्ली-110002. सदस्य (7) उप-मुख्य कार्यालय पदेन नियंति निरीक्षण प्रभिकरण-मुम्बाई 3 सरस्वती यारे म्यूमिसपल मार्केट बिल्डिंग नई बिल्ली-110005 सदस्य	5. नियंति निरीक्षण प्रभिकरण-मुम्बाई (1) निरीक्षण निवेशक पूर्ति और निपटान महानिदे- शालय निरीक्षण निवेशक का कार्यालय आयकर भवन एनेक्स न्यू मैरीन लाइन्स मुम्बाई-400020. प्रध्याका (2) श्री श्री० राजगरहिमा मै० गनपतराय प्रा० लि० 2 प्रिटोरिया स्ट्रीट कलकत्ता-71 सदस्य
4. नियंति निरीक्षण प्रभिकरण-बिल्ली (1) निरीक्षण निवेशक पूर्ति और निपटान महानिदे- शालय निरीक्षण निवेशक का कार्यालय आयकर भवन एनेक्स न्यू मैरीन लाइन्स मुम्बाई-400020. प्रध्याका (2) श्री श्री० राजगरहिमा, मैसर्जै गनपतराय प्रा० लि० लिमिटेड				

(3) श्री शो० पी० राजगरहिंदा मैसर्जे हाइट बाल राजगरहिंदा एण्ड सन्स प्रा० लि०, 5, हंडरफोर्ड स्ट्रीट, कलकत्ता-17.सबस्थ	(4) श्री ए० व्यास सुखर रेही मैसर्जे यूनिवर्सिटी एस्टटर ग्राहसेम बाजार-स्ट्रीट, गुडूर-1 (ग्रान्थ प्रदेश)सदस्य	
(4) श्री आसदेव लाल राजगरहिंदा मैसर्जे यूनाइटेड इंडिया मिस- रलस लि०, 13, हॉन्चिमिन सरारी, कलकत्ता-71.सबस्थ	(5) श्री जी० गिरिधाबू मैसर्जे हृष्णा खनिज कम्पनी, गोगिनैमीपुरम् गुडूर (ग्रान्थ प्रदेश)सदस्य	
(5) श्री आसदेव भारतीया मैसर्जे बंगल लड़ी माइक्रो सप्लाई क०, 24-शी, बसन्त लाल साह रोड, कलकत्ता-33सबस्थ	(6) पारसाधक अधिकारी (परेन) भारतीय अधक अपार लंब कारपोरेशन, गुडूर (ग्रान्थ प्रदेश)सदस्य	
(6) भारसाधक, संयुक्त निवेशक, परेन, मेशनल टेस्ट हाऊस, गौतम बिंडिङ जकारिया बंदर रोड सेवरी, मुम्बई-15सबस्थ	(7) उप सुध्य कार्यपालक नियाति निरीक्षण अधिकरण 113 एम० कार्वे रोड मुम्बई-4संयोजक	
(7) उप-सुध्य कार्यपालक परेन, नियाति निरीक्षण अधिकरण 113 एम० कार्वे रोड मुम्बई-4संयोजक	[संचया 6(27)/76 नि० नि० तथा नि० उ०] सी० वी० कुकरेती, संयुक्त निवेशक	
6. नियाति निरीक्षण अधिकरण मद्रास तथा नियाति निरीक्षण अधिकरण कोन्वीन	S.O.3348. In pursuance of rule 7 of the Export of Mica (Inspection) Rules, 1969 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1111 dated the 25th March, 1967, the Central Government hereby appoints the persons mentioned in column (2) of the Table given below as the panel of exports for the purpose of hearing appeals under the said rule against the decision of the Export Inspection Agency mentioned in the corresponding entry in column (1) thereof;	
(1) निवेशक, परेन भूविज्ञान सर्वेक्षण, भारत 35 हैंडरेस रोड शास्त्री भवन (पांचवीं मंजिल) असाक मै० 1, मद्रास-6प्रध्यक्ष	Provided that where a member of any of the said panel is personally interested in the subject matter of any appeal, he shall not take part in the proceedings relating to that appeal.	
(2) उप निवेशक (नि० उ०) परेन नागरिक पूर्ति और सहकारिता, उपनिवेशक का कार्यालय (नियाति संघर्षन) 23, नाथ० बोर्ड रोड, 4 मंजिल मद्रास-1सबस्थ	THE TABLE	
(3) श्री पी० कोटा रेही मैसर्जे कोटीनैनटल नियाति तथा भायात कम्पनी विदेशकानन्द रोड, गुडूर (ग्रा० प्रदेश)सबस्थ	Authority against whose decision appeal lies	Persons Constituting the panel of experts to which appeal lies
	(1)	(2)
1. Export Inspection Agency- Calcutta at Calcutta.	(1) Shri D.R. Rajigarhia M/s. Gunpatroy Pvt. Ltd., 2, Pretoria Street, Calcutta-700011Chairman	
	(2) Shri O.P. Rajgarhia M/s. Inderchand Raggarhia 8, Sons Pvt. Ltd., 5, Hungerford Street, Calcutta-700017Member	

1	2	1	2
		(3) Shri Basdeo Bhartia M/s. Bengal Ruby Mica Supply Co., 24B, Basant Lal Saha Road, Calcutta-700033. . Member	(6) The Joint Director (Chem) Ex-Officio Export Inspection Council Calcutta-70001. . Member
		(4) Shri Basdeo L. Rajgarhia, M/s. United India Minerals Ltd., 13, Ho-chi-Min Sarani, Calcutta-700071 . Member	(7) The Deputy Director, Ex-Officio Export Inspection Agency- Calcutta. Sub Office: Giridih . Convener
		(5) The Deputy Director (Export Promotion). Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports 4 & 6, Esplande East, Calcutta-700001 . Member	3. Export Inspection Agency (1) Shri S.P. Bhandari Calcutta at Koderma M/s. Chotturam Horilram (P) Ltd., P.O. Jhumritelaiya, Dist. Hazaribagh, Koderma . Chairman.
		(6) The Joint Director (Chem) Ex-officio, Export Inspection Council of India, 14/1B, Ezra Street, Calcutta-1 . Member	(2) Shri K.M. Daruka M/s. Kedarmath Ramgopal P.O. Jhumritelaiya Dist. Hazaribagh, Bihar . Member
		(7) The Deputy Chief Executive, Ex-officio Export Inspection Agency, Calcutta-700001 . Convener	(3) Shri Rameswar Modi, M/s. Pyarechand Modi Ram Chandra P.O. Jhumritelaiya Dist. Hazaribagh, Bihar . Member
2. Export Inspection Agency Calcutta at Giridih.		(1) The Chief Manager Ex-officio The Mica Trading Corporation of India Ltd., P.O. Giridih, Bihar Chairman	(4) Shri P.R. Pilania M/s. Inderchand Rajgarhia & Sons Ltd., Dist. Hazaribagh, Bihar. . Member
		(2) Shri S.R. Sen Gupta, M/s. Ranjan Mica Industries P.O. Giridih Dist. Hazaribagh, Bihar . Member	(5) Shri Jagish Prasad Daruka M/s. Daruka & Company P.O. Koderma, Bihar . Member
		(3) Shri Sagar Mull Jain, M/s. Shree Baidyanath Mica Works (P) Ltd. P.O. Giridih. Bihar. . Member	(6) The Jt. Director (Chem) Ex-officio 14/1B Ezra Street, Calcutta-700001 Member
		(4) Shri Gopal Ram, M/s. Mica Company of India Ltd., P.O. Giridih Dist. Hazaribagh, Bihar. . Member.	(7) The Deputy Director Ex-Officio Export Inspection Agency- Calcutta. Sub-office: Giridih . Convener
		(5) Shyam Sunder Bagaria M/s. East Indian Mica Works, P.O. Panchamba, Giridih Bihar . Member	4. Export Inspection Agency Delhi. (1) The Director of Inspection, Ex—officio Directorate General of Supplies and Disposals. Inspection Wing; Section ICI Parliament Street, New Delhi-110001 . Chairman

1	2	3	1	2	3
		(2) Shri D. Rajgarhia, M/s. Gunpatroy Pvt. Ltd., 2, Pretoria Street, Calcutta-71. ... Member.			24B, Basant Lal Saha Road Calcutta-33. ... Member.
		(3) Shri O.P. Rajgarhia M/s. Inder Chand Rajgarhia & Sons Pvt. Ltd., 5, Hunderford Street, Calcutta-17. ... Member.			(6) Joint Director-In-Charge, Ex-Officio National Test House Gautam Building Zakaria Bunder Road, Sewri, Bombay-15. ... Member.
		(4) Shri Basdeo Lal Rajgarhia M/s. United India Minerals Ltd., 13, Ho-chi-Min Sarani, Calcutta-71.			(7) The Deputy Chief Executive, Ex-Officio Export Inspection Agency 113 M. Karve Road, Bombay-4. ... Convener.
		(5) Shri Basdeo Bhartia M/s. Bengal Ruby Mica Supply Co. 24B Basant Lal Saha Road, Calcutta-33.	6. Export Inspection Agency Madras and Export Inspection Agency-Cochin.		(1) The Director, Ex-Officio Geological Survey of India 35, Haddows Road, Shastri Bhawan. (5th floor) Block No. 1 Madras-6. ... Chairman.
		(6) The Director (Electrotechnical). Indian Standards Institution Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg. New Delhi-110002. ... Member.			(2) The Deputy Director (E.P.) Ex-Officio Civil Supplies and Corporation Office of the Deputy Director (Export Promotion) 23, North Beach Road, IV, Floor, Madras-1. ... Member.
		(7) The Deputy Chief Executive Ex-officio Export Inspection Agency-Delhi, 3, Saraswati Marg, Municipal Mkt. Bldg., New Delhi-110005. ... Member.			(3) Shri P. Kotta Reddy M/s. Continental Exports and Imports Co. Vivekananda Road, Gudur (A.P.) ... Member.
5. Export Inspection Agency Bombay		(1) The Director of Inspection Directorate General of Supplies and Disposals, Office of the Director of Inspection Aayakar Bhavan Annexe New Marine Lines, Bombay-400020 ... Chairman.			(4) Shri A. Shyam Sunder Reddy M/s. Universal Enterprises, Bazar Street, Gudur-1. (A.P.) ... Member.
		(2) Shri D. Rajgarhia M/s. Gunpatroy Pvt. Ltd., 2, Pretoria Street, Calcutta-71.			(5) Shri G. Giribabu M/s. The Krishna Mining Co. Goginenipuram, Gudur, (A.P.) ... Member.
		(3) Shri O.P. Rajgarhia M/s. Inder Chand Rajgarhia & Sons Pvt. Ltd., 5, Hunderford Street, Calcutta-17. ... Member.			(6) The Officer-in-Charge (Ex-Officio) The Mica Trading Corporation of India, Gudur (A.P.) ... Member.
		(4) Shri Basdeo Lal Rajgarhia M/s. United India Minerals Ltd., 13, Ho-chi-Min Sarani, Calcutta-71. ... Member.			(7) The Deputy Chief Executive Export Inspection Agency-Madras, 123, Mount Road, Madras-6 ... Convener.
		(5) Shri Basdeo Bhartia M/s. Bengal Ruby Mica Supply Co.			[No. 6(27)/76-EI&EP] C.B. KUKRETI, Jr. Director.

(बाह्यिक विभाग)

मई दिल्ली। 27 अक्टूबर, 1978

का० अंश ३३४९ .— राष्ट्रपति भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण, नई दिल्ली की संस्था प्रतिनिधिमालों के मनुष्योद ५९(२) के प्रधीन प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री ए० एस० सेठी, निदेशक के स्थान पर २३-१०-१९७८ से श्री राम मूर्ति शर्मा, निदेशक, व्याणिज्य विभाग, नई दिल्ली को, भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण, नई दिल्ली के प्रशंसकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

[सं० १५/७८/१/१/७७-टी०एफ०]

एम०पी० श्रीवास्तव, प्रबंध सचिव

(Department of Commerce)

New Delhi, the 27th October, 1978

S.O. 3349.—In exercise of the powers conferred under Article 59(2) of the Articles of Association of the Trade Fair Authority of India, New Delhi, the President is pleased to appoint Shri Ram Murti Sharma, Director, Department of Commerce, New Delhi as part time Director of the Trade Fair Authority of India, New Delhi with effect from 23-10-1978 in place of Shri A. S. Sethi, Director.

[No. 15/78/1/1/77-TE]

M. P. SRIVASTAVA, Under Secy.

(भख्य नियन्त्रक, आपात-नियति का कार्यालय)

पाठ्य

मई विलासी, 8 मवाम्बर, 1978

कांगड़ा० 3350.—सर्वेश्वी हन्तीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि० कैलापा, कस्टरबर मार्ग, नई किल्ली को बाल्की कोवर्ड हन्तीनियरिंग प्रोजेक्ट (इंडिया) लि० के लिए शून्यशर फरानात्म परियोजना के लिये 17,32,500/- रुपये के हीटिंग हैलीमेंट का आयात करते के लिए आयात लाइसेंस सं० सं० जी/ए० 1079/464/एस/एफ एन/ 6/एच० 7/दिनांक 3-2-78 प्रदान किया था। कर्मने सुधारावी है कि उक्त लाइसेंस भी सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनियम प्रतियों किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराये जिनकी

अस्थानस्थ हो गई/खो गई है और उन्होंने निवेदन किया है कि लाइसेंस की सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनियम प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

आपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शापथ पत्र वाखिल किया है। अधीसूक्ष्मताज्ञारी इस बात से संतुष्ट है कि लाइसेंस की मुद्रा विनियम एवं सीमांशुलक निकासी प्रति खो गई है और निवेश देता है कि उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

मूल लाइसेंस (दोनों प्रतियों) रद्द किया जाता है और उसकी मनु-
लिपि प्रतियों प्राप्ति से जारी की जा रही है।

[मिसिल सं० सेन्ट/244/77-78/पी एल०एस शी/240]

सी० एस० प्रार्थना उप-मुख्य नियंत्रक,
कृते मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 8th November, 1978

S.O. 3350.—The Enguineering Projects (India) Ltd., Kailash, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi was granted Import licence No. G/A/1079464/S/FN/66/H/77 dt. 3-2-78 for Rs. 17, 32, 500/- (ruppies seventeen lakhs thirty two thousand and five hundred) for the import of Heating Elements for shoe Pusher Furnance Project for Balco Korba Engineering Projects (India) Ltd., has reported that Customs copy and Exchange Copy of licence have been misplaced/lost without having been registered with any Customs authority, and they have requested to issue duplicate copies of Customs purposes and Exchange purposes of licence.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that E. C. Copy and Custom copy of licence have been lost and directs that the duplicate copies of the customs copy and E. C. copy of the said licence be issued.

The original licence (both copies) has been cancelled and duplicate copies of the same are being issued separately.

[File No. Cent/244/77-78/PLS/B/240]
C. S. ARYA, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

(भागरिक पुस्ति तथा साहस्ररिता किम्बाग)

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 1978-11-10

का० आ० ३३५।—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) नियमोपनियमावधी, १९६६ के नियम ३ के उपनियम २ सथा नियम ३ के उपनियम (२) और (३) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे घनसूची में विए गए हैं, वे १९७५-१२-३१ को निर्धारित किए गए हैं :—

अमृस जी

क्रम सं.	निर्धारित भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 574—1976 कांचाम सोडियम मेटाफास्फेट (तकनीकी) विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 574—1961 कांचाम सोडियम मेटाफास्फेट (तकनीकी) विशिष्ट (पुनरीक्षित)	
2.	IS : 915—1975 एक चिह्नाकित आयतनमापी फ्लास्ट की IS : 915—1958 एक चिह्नाकित अंशाकित फ्लास्ट की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	विशिष्टि	

1	2	3	4
4. IS : 1123—1976 प्राकृतिक इमारती पत्थरों के पहचानने की IS : 1123—1957 प्राकृतिक इमारती पत्थरों के शैलदर्शीय पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	परीक्षा की विधि	—	—
4. IS : 1912—1976 देहाती जूट सूतली की विशिष्टि (पहला पुन- IS 1912—1961 देहाती जूट सूतली 3 लड़ की विशिष्टि रीक्षण)	—	—	—
5. IS : 2009—1976 धैतिज और नत तेल संग्रह टंकियों की अंशांकन IS : 2009—1961 धैतिज और नत तेल संग्रह टंकियों की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	अंशांकन पद्धति विधि	—	—
6. IS : 2687—1976 टोपीदार छिपरी की विशिष्टि (पहला पुन- IS : 2687—1964 टोपीदार छिपरी और गुम्बदाकार टोपी- दार छिपरियों की विशिष्टि रीक्षण)	—	—	—
7. IS : 2720 (भाग 4)—1976 मृतिका की परीक्षण पद्धतिया, IS : 2720 (भाग 4)—1965 मृतिका परीक्षण पद्धतिया भाग 4 कण-आकार विश्लेषण (पहला पुनरीक्षण)	भाग 4 कण-आकार विश्लेषण	—	—
8. IS : 2819—1976 ब्रेड चढ़ी सूती ढोरी की विशिष्टि (पहला IS : 2819—1964 ब्रेड चढ़ी सूती ढोरी की विशिष्टि पुनरीक्षण)	—	—	—
9. IS : 2824—1975 आईस्ट्रियतियों में ठोस रोधन सामग्री का तुलना- IS : 2824—1965 ठोस रोधन सामग्री का तुलनात्मक ट्रैकिंग स्मार्क ट्रैकिंग सूचकांक निर्धारण पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	सूचकांक निर्धारण की पद्धति	—	—
10. IS : 3098—1976 खनिज तेल के हाइड्रोलिक तेल की विशिष्टि (पहला IS : 3098—1965 खनिज तेल प्रकार के हाइड्रोलिक तेल की विशिष्टि पुनरीक्षण)	विशिष्टि	—	—
11. IS : 3124—1975 टर्पिनियोल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3124—1965 टर्पिनियोल की विशिष्टि	—	—
12. IS : 3252—1975 खन्दे बल सूत की ढोरी की विशिष्टि (पहला IS : 3252—1965 खन्दे बल सूत की काटन ढोरी की पुनरीक्षण)	विशिष्टि	—	—
13. IS : 3461 (भाग 2)—1976 बुरशों की देखभाल और रख- रखाव के लिए रीति संहिता, भाग 2 परत जाने बुरशों के भ्रातावा दूसरे बुरश	—	—	—
14. IS : 3969—1975 (गोरण की आज की विशिष्टि (पहला पुनरोक्त)) IS : 3969—1987 गोरण की आज की विशिष्टि	—	—	—
15. IS : 4303 (भाग 1)—1976 मर्स्य उद्योग के लिए स्वास्थ्यजनक IS : 4303 (भाग 1)—1987 मर्स्य उद्योग में सफाई धारा परिस्थितियों की संहिता भाग 1 (पहला पुनरीक्षण)	उठाई और परिवहन की संहिता भाग 1 प्रक्रम पूर्वी प्रवस्था	—	—
16. IS : 4404—1975 साबुत और विसी लौग की विशिष्टि (पहला IS : 4404—1987 साबुत लौग की विशिष्टि पुनरीक्षण)	IS : 4405—1967 लौग चूर्ण की विशिष्टि	—	—
17. IS : 4992—1975 खांब तालों (ऊँच उच्च) के लिए वरवाजों के हैंडिलों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4992—1968 खांब तालों (ऊँच उच्च) के लिए वरवाजों के हैंडिलों की विशिष्टि	—	—
18. IS : 5372—1975 बैनलों (आईएस एम सी) के लिए गावदुम बाशरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5372—1969 बैनलों (आईएस एम सी) के लिए गावदुम बाशरों की विशिष्टि	—	—
19. IS : 5374—1975 आई-बीमों (आईएस एम बी) के लिए गावदुम बाशरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 5374—1969 आई बीमों (आईएस एम बी) के लिए गावदुम बाशरों की विशिष्टि	—	—
20. IS : 6890 (भाग 2)—1976 बातों के मिश्र स्वर्ण की रसायनिक विश्लेषण पद्धति भाग 2 निकिल और जस्ते का निर्धारण	—	—	—
21. IS : 7648—1975 उच्च बोल्टता वाले जीनी मिट्टी के रोधकों पर लगाने के लिए सिलिकान योगिकों की विशिष्टि	—	—	—
22. IS : 7680—1976 ग्रमोनिया (घजल) गैस के लिए जले निम्न कार्बन इस्पात के गैस सिलेंडर	—	—	—
23. IS : 7681—1976 क्लोरीन गैस के लिए जले निम्न कार्बन इस्पात के गैस सिलेंडर	—	—	—
24. IS : 7682—1975 मिथाइल बोमाइड गैस के लिए जले निम्न कार्बन इस्पात के गैस सिलेंडर	—	—	—
25. IS : 7690—1975 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तथा उनमें प्रयुक्त पुजों की विश्वसनीयता के लिए पारिषाधिक शब्दावली एवं परिमाणाओं सम्बन्धी गणितीय संदर्भिका	—	—	—
26. IS : 7692—1975 बचाव हेलमेटों के परीक्षण के लिए लकड़ी के बने सिरों की विशिष्टि	—	—	—

1	2	3	4
27.	IS : 7717—1979, 2 : 1 के नाममात्र चयन अनुपात आले संपादी करेंट मैक्सिमस्टोरों में तथा रेखीय चुने हुए स्पृति स्टोरों में प्रयोग के लिए चुम्बकीय कोरों की सामान्य अपेक्षाएँ और परीक्षण	—	—
28.	IS : 7738—1976 आणिंजिक इसोमाल के लिए सुरक्षा पद्धति की विशिष्टि	—	—
29.	IS : 7740—1975 सड़क की नालियों के लिए रीति संहिता	—	—
30.	IS : 7743—1975 इस्पात की गही वस्तुओं के चुम्बकीय कण परीक्षण एवं निरीक्षण की अनुर्भासित रीति	—	—
31.	IS : 7752 (भाग 1) —1975 उपयोक्ताओं के प्रतिष्ठानों में पावर गुणक की सुधार संदर्शका भाग 1 कम और मध्यम सप्लाई बोल्ट्स	—	—
32.	IS : 7759—1975 लिफ्ट वरचाऊं तालक युक्तियों और सम्पर्कों की विशिष्टि	—	—
33.	IS : 7764—1975 बरमा मशीनों के आकार	—	—
34.	IS : 7768—1975 दूध के संबेदी मूल्यांकन पद्धति	—	—
35.	IS : 7769—1976 खाद्य मक्खन के संबेदी मूल्यांकन पद्धति	—	—
36.	IS : 7770—1976 धी के संबेदी मूल्यांकन पद्धति	—	—
37.	IS : 7772—1975 खोल मध्य के बरमों की विशिष्टि	—	—
38.	IS : 7773—1976 ब्रोचिंग थ्रोजार की पकड़ परिमाप	—	—
39.	IS : 7774—(भाग 1)—1975 परिवहन ट्रैक्टरों और ट्रेलरों संबंधी सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली भाग 1 युनियनी शब्दावली	—	—
40.	IS : 7774 (भाग 2)—1975 परिवहन ट्रैक्टरों और ट्रेलरों संबंधी पारिभाषिक शब्दावली भाग 2 परिमाप और भार	—	—
41.	IS : 7777—1976 बेल्लित सिरों वाली सूती जाली (बेलिंग) की विशिष्टि	—	—
42.	IS : 7779 (भाग 1/खण्ड 3)—1975 निर्माण कार्यों के लिए पत्थरों के गुणों और उपलब्धता की अनुसूची भाग I गुजरात राज्य खण्ड 3 पत्थर की रोडिंगों के इंजीनियरी गुण	—	—
43.	IS : 7784 (भाग 1)—1975 काटती नालियों के कार्य डिजाइन की रीति संहिता, भाग I सामान्य विशेषताएँ	—	—
44.	IS : 7792—1975 प्लास्टिक के डिम्बों की धरा उठाई के लिए रीति संहिता	—	—
45.	IS : 7799—1975 खाद्य पदार्थों में विटामिन परिक्षण संहिता	—	—
46.	IS : 7805—1975 फक्ट्रूंटी धृष्टि परीक्षण की संदर्शका	—	—
47.	IS : 7807—1975 हीण परीक्षा विधि	—	—
48.	IS : 7817—1975 क्षुक्रिम नितम्ब प्रंगों के लिए इम्पेक्टर की विशिष्टि	—	—
49.	IS : 7818—1975 क्षुक्रिम नितम्ब प्रंगों के लिए मूर टाइप ब्रोज की विशिष्टि	—	—
50.	IS : 7819—1976 विकलांगता के लिए नाइलोन पीई वारी मोगरी की विशिष्टि	—	—
51.	IS : 7828—1976 वायुयानों के लिए गुरुत्व भरण छिपों के आकार	—	—
52.	IS : 7834 (भाग 2)—1976 जल वितरण के लिए घोलक सीमेंट के जोड़ों वाली इंजेशन ढली पीवीसी साकेट फिटिंग की विशिष्टि भाग 2, 45° एलेंजों की विशिष्टि अपेक्षाएँ	—	—
53.	IS : 7834 (भाग 3)—1976 जल पूर्ति के लिए घोलक सीमेंट के जोड़ों वाली इंजेशन ढली पीवीसी साकेट फिटिंग की विशिष्टि भाग 3, 90° (एल्बो) की विशिष्टि	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
84. IS : 7834 (भाग 4) — 1975 जलपूर्ति के लिए घोलक सीमेंट के जोड़ों वाली हंजेशन ढली पीवीसी साकेट फिटिंग की विशिष्टि भाग 4, 90° दी की विशिष्टि अपेक्षाएँ	—	—	—
85. IS : 7843 (भाग 5) — 1975 जल पूर्ति के लिए घोलक सीमेंट के जोड़ों वाली हंजेशन ढली पीवीसी साकेट फिटिंग की विशिष्टि भाग 5, 45° की विशिष्टि अपेक्षाएँ	—	—	—
86. IS : 7834 (भाग 6) — 1975 जल पूर्ति के लिए घोलक सीमेंट के जोड़ों वाली हंजेशन ढली पीवीसी साकेट फिटिंग की विशिष्टि भाग 6 साकेटों की विशिष्टि अपेक्षाएँ	—	—	—
87. IS : 7834 (भाग 7) — 1975 जलपूर्ति के लिए घोलक सीमेंट के जोड़ों वाली हंजेशन ढली पीवीसी साकेट फिटिंग की विशिष्टि भाग 7 यूनियनों की विशिष्टि अपेक्षाएँ	—	—	—
88. IS : 7834 (भाग 8) — 1975 जलपूर्ति के लिए घोलक सीमेंट के जोड़ों वाली हंजेशन ढली पीवीसी साकेट फिटिंग की विशिष्टि भाग 8 टोपियों की विशिष्टि अपेक्षाएँ	—	—	—
89. IS : 7839 — 1975 शुष्क आइसफ्रीम मिश्रण की विशिष्टि	—	—	—
90. IS : 7849 (भाग 1) — 1975 शहदधर के विचास भाग 1 बड़े फैमाने के शहद संयह एकक	—	—	—

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, 9 बहायुरशाह, जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 तथा अहमदाबाद, बंगलोर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना स्थित उसके याज्ञा कार्यालयों में विक्री के लिए उपलब्ध हैं।

[स० सी एम बी/13 : 2]
ए० बी० राज, उपमहानिवेशक

(Department of Civil Supplies & Co-operation)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1978-11-10

S.O. 3351.—In pursuance of Sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1975-12-31.

SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standards Established No.	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS : 574—1975 Specification for glassy sodium metaphosphate, technical (second revision).	IS : 574—1961 Specification for glassy sodium metaphosphate, technical (revised).	—	
2. IS : 915—1975 Specification for one-mark volumetric flasks (first revision).	IS : 915—1958 Specification for one-mark graduated flasks.	—	
3. IS : 1123—1975 Method of identification of natural building stones (first revision).	IS : 1123—1957 Method for petrographical examination of natural building stones.	—	
4. IS : 1912—1975 Specification for country jute twine (first revision).	IS : 1912—1961 Specification for country jute twine, three-ply.	—	
5. IS : 2009—1975 Method for calibration of horizontal and tilted oil storage tanks (first revision).	IS : 2009—1961 Method for calibration of horizontal and tilted oil storage tanks.	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
6.	IS : 2687—1975 Specification for cap nuts (first revision).	IS : 2687—1964 Specification for cap nuts and domed cap nuts.	—
7.	IS : 2720 (Part IV)—1975 Methods of test for soils Part IV grain size analysis (first revision).	IS : 2720 (Part IV)—1965 Method of test for soils Part IV grain size analysis.	—
8.	IS : 2819—1975 Specification for braided cotton cord (first revision).	IS : 2819—1964 Specification for braided cotton cord.	—
9.	IS : 2824—1975 Method for determining comparative tracking index of solid insulating materials under moist conditions (first revision).	IS : 2824—1964 Method for determination of the comparative tracking index of solid insulating materials.	—
10.	IS : 3098—1975 Specification for oil, hydraulic, mineral oil type (first revision).	IS : 3098—1965 Specification for oil, hydraulic, mineral oil type.	—
11.	IS : 3124—1975 Specification for terpineol (first revision).	IS : 3124—1965 Specification for terpineol.	—
12.	IS : 3252—1975 Specification for shroud-laid cotton line (first revision).	IS : 3252—1965 Specification for shroud-laid cotton line.	—
13.	IS : 3451 (Pt. II)—1975 Code of practice for care and maintenance of brushes Part II brushes other than pan-set brushes.	—	
14.	IS : 3969—1975 Specification for GORAN bark (first revision).	IS : 3969—1967 Specification for goran bark.	—
15.	IS : 4303 (Pt. I)—1975 Code of hygienic conditions for fish industry Part I pre-processing stage (first revision).	IS : 4303 (Pt. I)—1967 Code for sanitary conditions, handling and transport in fish industry Part I pre-processing stage.	—
16.	IS : 4404—1975 Specification for gloves, whole and ground (first revision).	1. IS : 4404—1967 Specification for gloves, whole 2. IS : 4405—1967 Specification for gloves powder.	—
17.	IS : 4992—1975 Specification for door handles for mortice locks (vertical type) (first revision).	IS : 4992—1968 Specification for door handles for mortice locks (vertical type.)	—
18.	IS : 5372—1975 Specification for taper washers for channels (ISMС) (first revision).	IS : 5372—1969 Specification for taper washers for channels (ISMС).	—
19.	IS : 5374—1975 Specification for taper washers for I-beams (ISMВ) (first revision).	IS : 5374—1969 Specification for taper washers for I-beams (ISMВ).	—
20.	IS : 6890 (Pt. II)—1975 Method for chemical analysis of dental cold alloys Part II determination of nickel and zinc.	—	—
21.	IS : 7648—1975 Specification for silicone compounds for application on high voltage porcelain insulators.	—	—
22.	IS : 7680—1975 Specification for welded low carbon steel gas cylinders for ammonia (anhydrous) gas.	—	—
23.	IS : 7681—1975 Specification for welded low carbon steel gas cylinders for chlorine gas.	—	—
24.	IS : 7682—1975 Specification for welded low carbon steel gas cylinders for methyl bromide gas.	—	—
25.	IS : 7690—1975 Mathematical guide to the terms and definitions for reliability of electronic equipment and components (or parts) used therein.	—	—
26.	IS : 7692—1975 Specification for wooden head-form for testing of helmets.	—	—
27.	IS : 7717—1974 General requirements and tests for magnetic cores for application in coincident current matrix stores having a nominal selection ratio of 2 : 1 and in linear select memory stores.	—	—

(1)	(2)	(3)	(4)
28.	IS : 7738—1975 Specification for safety fuse for commercial use.	—	—
29.	IS : 7740—1975 Code of practice for road gullies	—	—
30.	IS : 7743—1975 Recommended practice for magnetic particle testing and inspection of steel forgings.	—	—
31.	IS : 7752 (Pt. I)—1975 Guide for improvement of power factor in consumers' installations Part I low and medium supply voltages.	—	—
32.	IS : 7759—1975 Specification for lift door locking devices and contacts.	—	—
33.	IS : 7764—1975 Sizes for drilling machines	—	—
34.	IS : 7768—1975 Method for sensory evaluation of milk.	—	—
35.	IS : 7769—1975 Method for sensory evaluation of table butter.	—	—
36.	IS : 7770—1975 Method for sensory evaluation of ghee (clarified butterfat).	—	—
37.	IS : 7772—1975 Specification for shell core drills.	—	—
38.	IS : 7773—1975 Holding dimensions for broaching tools.	—	—
39.	IS : 7774 (Pt. I)—1975 Glossary of terms relating to transport tractors and trailers Part I basic terms.	—	—
40.	IS : 7774 (Pt. II)—1975 Glossary of terms relating to transport tractors and trailers Part II dimensions and weights.	—	—
41.	7777—1975 Specification for cotton webbing, rolled edges.	—	—
42.	IS : 7779 (Pt. I/Sec. 3)—1975 Schedule for properties and availability of stones for construction purposes Part I Gujarat State Section 3 engineering properties of stone aggregates.	—	—
43.	IS : 7784 (Pt. I)—1975 Code of practice for design of cross drainage works Part I general features.	—	—
44.	IS : 7792—1975 Code of practice for handling plastics containers.	—	—
45.	IS : 7799—1975 Code for preservation of vitamins in foodstuffs.	—	—
46.	IS : 7805—1975 Guidance on mould growth testing.	—	—
47.	IS : 7807—1975 Methods of test for asafoetida.	—	—
48.	IS : 7817—1975 Specification for impactor for hip prosthesis.	—	—
49.	IS : 7818—1975 Specification for broach, Moore type, for hip prosthesis.	—	—
50.	IS : 7819—1975 Specification for mallet, nylon headed, orthopaedic.	—	—
51.	IS : 7828—1975 Sizes of gravity filling orifices for aircraft.	—	—
52.	IS : 7834 (Pt. II)—1975 Specification for injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies Part II specific requirements for 45° elbows.	—	—
53.	IS : 7834 (Pt. III)—1975 Specification for injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies Part III specific requirements for 90° elbows.	—	—

54. IS : 7834 (Pt. IV)—1975 Specification for injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies Part IV specific requirements for 90° tees.
55. IS : 7834 (Pt. V)—1975 Specification for injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies Part V specific requirements for 45° tees.
56. IS : 7834 (Pt. VI)—1975 Specification for injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies Part VI specific requirements for sockets.
57. IS : 7834 (Pt. VII)—1975 Specification for injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies Part VII specific requirements for unions.
58. IS : 7834 (Pt. VIII)—1975 Specification for injection moulded PVC socket fittings with solvent cement joints for water supplies Part VIII specific requirements for caps.
59. IS : 7839—1975 Specification for dried ice-cream mix.
60. IS : 7849 (Pt. I)—1975 Layout for a honey house Part I large scale honey handling units.

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also its branches offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras and Patna.

[No. CMD/13 : 2]
A. B. RAO, Dy. Director General.

उत्तरांग मंत्रालय

(प्रौद्योगिक कार्यालय)

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1978

का०स० 3352.—केन्द्रीय रेशम बोर्ड प्रधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा हृषकरथा विकास आयुक्त, श्री भारत श्रीनिवासन को इन्ह शक्तियों तक केन्द्रीय रेशम बोर्ड का उपायक नियुक्त करती है।

[का०स० 25012/24/76-रेशम]

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

New Delhi, the 8th November, 1978

S.O. 3352.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 6 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri R. Srinivasan, Development Commissioner for Handlooms as Vice-Chairman of the Central Silk Board until further orders.

[F. No. 25012/24/76-SILK]

का०स० 3353.—केन्द्रीय रेशम बोर्ड प्रधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4(3)(ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री भारत श्रीनिवासन, हृषकरथा विकास आयुक्त को, श्री मणि नारायण स्वामी के स्थान पर केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सचिव के रूप में एतद्वारा मनोनीत करती है और भारत सरकार के

आगिय मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० भा०स० 642 विनाक 16 फरवरी, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथतः—

उक्त अधिसूचना में विनाक 27 पर दी गई प्रविष्टि के लिये निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायगी, प्रथतः—

“27—श्री० भारत श्रीनिवासन,

हृषकरथा विकास आयुक्त,
नई दिल्ली।”

[का०स० 25012/24/76-रेशम]
एस० वेणुगोपालन, निवेशक

S.O. 3353.—In exercise of the powers conferred by Section 4 (3) (b) of Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby nominates Shri R. Srinivasan, Development Commissioner for Handlooms as a member of the Central Silk Board vice Shri Mani Narayanaswami and makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce S.O. No. 642 dated the 16th February, 1977, namely,

In the said Notification, for the entry against serial number 27, the following entry shall be substituted, namely :—

“27. Shri R. Srinivasan, Development Commissioner for Handlooms, New Delhi.”

[F. No. 25012/24/76-SILK]
S. VENUGOPALAN, Director

प्रारंभ

का०स० 3354.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (बर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के बाघ (ब) और नियम 24 के उपनियम

(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूत-पूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (आधिकारिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० १०००, तारीख २८ अगस्त, १९७५ में निम्नलिखित क्षेत्रों करते हैं, वर्णन :—

इस प्रधिसूचना में, "साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ब' समूह 'ग' और समूह 'घ' पदों" से सम्बन्धित अनुसूची के भाग I, II और III में, "पिछड़े क्षेत्र और ग्रामीण उद्योग नायकम्", शब्दों के स्थान पर, जहाँ कहीं वे प्राप्त हों, "संसाधन-प्रयोग-उत्पाद विकास केन्द्र, राज्यी," शब्द रखे जाएंगे।

[सं० ४/१/७४-सतर्कता]
सी० मलिकार्जुन, उप सचिव
और मुख्य सतर्कता प्रधिकारी

ORDER

S.O. 3354.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 the President hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S. O. 900 dated the 28th August, 1975, namely :—

In the said notification in parts I, II and III of the Schedule relating to 'General Central Service Group B, Group C and Group D posts', for the words "Backward Areas and Rural Industries Programme" wherever they occur, the word "Process cum Product Development Centre, Ranchi" shall be substituted.

[No. 4/1/74-Vig.]

C. MALLIKARJUNAN, Dy. Secy.
and Chief Vigilance Officer

विवेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1978

का०आ० 3355.—४१७/एस०१०/७८.—सार्वजनिक परिसर (अनेकांक्षत आवासी) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का पालन करते हुए, केन्द्र सरकार इसके द्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में बताये गये अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये "सम्पत्ति अधिकारी" नियुक्त करती है, और साथ ही यह नियुक्ति सीं बेटी हूँ कि ये अधिकारी प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उक्त अधिनियम द्वाय अथवा उसके प्रत्यर्पत्ति "सम्पत्ति अधिकारी" को सोने गये कर्तव्यों का भी उक्त सारणी के कालम (2) में बताये गये अनुसार सार्वजनिक परिसरों के विषय में अपने केन्द्राधिकार के अन्तर्गत, पालन करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पदनाम

सार्वजनिक परिसरों के बां और केन्द्राधिकार की स्थानीय सीमाएँ

1	2
1. निवेशक (प्रशासन आपूर्ति एवं सेवा)	विवेश मंत्रालय होस्टल, कन्दूरखा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।
2. उप सचिव (प्रशासन, आपूर्ति एवं सेवा)	

1	2
3. अवर सचिव (आपूर्ति एवं उपस्कर)	
4. प्रशासनिक अधिकारी (आपूर्ति एवं उपस्कर)	

[फाइल सं० : क्ष०/एस०/८६०१/१५७/७८]
निर्मला प्रसाद, निवेश (एडोए)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi the 18th November, 1978

S.O. 3355.—४१७/SE/७८.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being gazetted officers of Government to the Estate Officers for the purposes of the said Act, and further directs that the said officers shall exercise either powers conferred and perform the duties imposed on the Estate Officers by or under the said Act within the limits of his jurisdiction in respect of Public Premises specified in column (2) of the said Table.

THE TABLE

Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
1. Director (Administration, Supplies & Services)	External Affairs Hostel, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
2. Deputy Secretary, (Administration, Supplies and Services)	
3. Under Secretary, (Supplies & Equipment)	
4. Administrative Officer, (Supplies & Equipment)	

[File No. Q/SE/8601/157/78]
NIRMALA PRASAD, Director (ADS)

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1978

का०आ० 3356.—प्रतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार भर्ती) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०सं० ८९९ तारीख १७-३-७८ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विभिन्न भूमियों के उपयोग के अधिकार की प्राप्ति करने के लिये अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह सक्षम प्रधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को अपनी रिपोर्ट देवी है।

और आगे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनियम किया है।

मर्यादा: उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एवं द्वारा अंजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार के विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, विषयान के प्रकाशन के इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूपनं० कोयम्बा—१ से कूपनं० कोयम्बा—१२ की पाइप लाइन तक पाइप लाइन

बिछाना

राज्य : गुजरात	जिला : सूरत	तालुका :	मंगरोल
गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	एकाई सेण्टीयर
कुवर्डा	164	0	04 94
	166	0	03 38
	167	0	07 54

[सं. 12016/6/77-प्र०]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZER (Department of Petroleum)

New Delhi, the 30th October, 1978

S.O. 3356.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, S.O. No. 899 dated 17-3-78 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

For laying Pipeline from Well No. Kosamba-1 to Pipeline of well No. Kosamba-12

State : Gujarat District : Surat Taluka : Mangrol

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
Kuvarda	164	0	04	94
	166	0	03	38
	167	0	07	54

[No. 12016/6/77-Prod]

कांसा० ३३५७.—यह: पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि) के उपयोग के अधिकार अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना कांसा० ३०० १८४ तारीख ३०-१२-७७ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये प्रजित करने का अपना प्राप्त अधिकार अंजित किया था।

और यह: सभी प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दी है।

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संघर्षों से मुक्त रूप में, विषयान के प्रकाशन की तारीख को निहित होगा।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार के विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संघर्षों से मुक्त रूप में, विषयान के प्रकाशन की तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

फुराने फ्लेयर बिन्दु से सी० टी०एफ० के निकट प्रस्तावित प्लेटर बिन्दु तक पाइप लाइन बिछाने के लिये,

राज्य : गुजरात	जिला : महेश्वरा	तालुका :	कलोल
गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	मार सेण्टीयर
सईज	994/6	0	02 25
	994/4/5	0	01 20
	994/4/8	0	02 25
	994/4/7	0	02 25
	994/4/1	0	01 35
	994/4/2	0	01 65
	994/4/3	0	01 50
	994/4/4	0	01 80
	993	0	15 50

[सं. 12016/2/77-प्र०-१]

New Delhi, the 30th October, 1978

S.O. 3357.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, S.O. 184 dated 30-12-77 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Old Flare Point to Proposed Flare Point near CTF
State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Saij	994/6	0	02	25
	994/4/5	0	01	20
	994/4/6	0	02	25
	994/4/7	0	02	25
	994/4/1	0	01	35
	994/4/2	0	01	65
	994/4/3	0	01	50
	994/4/4	0	01	80
	993	0	15	50

[No. 12016/2/77-Prod-I]

का०प्रा० 3358.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 179 तारीख 30-12-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

प्रथ, प्रतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदा देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राइवेट लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अनुसूची

कूप न० १२ से जौ० जौ०एस०एस०-१२ के पास तक पाइप लाईन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात	जिसा : मेहसाना	तालुका : कड़ी		
गांव	सर्व० न०	हेक्टेयर	एएर०इ	सेन्टीयर
मेरडा	80	0	04	95
	193	0	07	50

[सं० 12016/2/77-प्र०-III]

S.O. 3358.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, S.O. No. 179 dated 30-12-77 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication on this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. S-12 to GGS near S-12

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Merda	80	0	04	95
	193	0	07	50

[No. 12016/2/77-Prod-II]

का०प्रा० 3369.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 178 तारीख 30-12-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

प्रथ, प्रतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदा देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विनिर्दिष्ट होने के बजाय सेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची				
राज्य :	गुजरात	जिला और तालुका :	गांधीनगर	
गांव	सर्वेक्षण क्षेत्र नं.	डेक्टरेट	आरो सेन्टीयर	
भोयणराठोड	3/1/1	0	04	05
	3/2	0	01	95
कार्ट ट्रैक		0	00	60
248		0	10	07
कार्ट ट्रैक		0	02	40
251		0	01	65
235		0	09	75
243		0	29	10
242		0	13	00
241		0	02	00
कार्ट ट्रैक		0	03	90
195		0	12	00
196		0	03	00

[सं. 12016/2/77-प्र०-III]

S.O. 3359.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer, S.O. No. 178 dated 30-12-77 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. K-29 to Mini GGS at K-57

State : Gujarat

District & Taluka : Gandhinagar

Village	Survey No.	Hectare	Arc Centiare	
1	2	3	4	5
Bhoyan Rathod	3/1/1	0	04	05
	3/2	0	01	95
Cart track		0	00	60
248		0	10	07
Cart track		0	02	40
251		0	01	65
235		0	09	75

1	2	3	4	5
	243	0	29	10
	242	0	13	00
	241	0	02	00
Cart track		0	03	90
195		0	12	00
196		0	03	00

[No. 12016/2/77-Prod-III]

तर्फे दिल्ली, 3 नवम्बर 1978

का० आ० 3360.— यतः पेट्रोलियम श्रौर अनिज पाइप लाईन (भूमि के उपयोग के अविकार अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम श्रौर रसायन मंदिरालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं. 15/5 तारीख 21-4-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से वंशन अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अविकार की पाइप लाईन के लिए अर्जित करने का अपना अधियक्षित कर दिया था ।

और यतः सकाम प्रधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर चिह्न करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अविकार अर्जित करने का विनिश्वय किया है ।

अब, आगे उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा शोषित करते हैं कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अविकार पाइप लाईन विभाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

आगे आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अविकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में समीक्षाओं से मूक रूप में, शोषण के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा ।

अनुसूची

बायरेड से कैपोडिक प्रोटेक्टेन स्टेरान से बैनोड बेड

राज्य—गुजरात

गांव भनुपुर	जिला बडोदरा	तालुका—भाडोच	
	132	0 00	93
नवीपुर	जिला बडोदरा तालुका—भाडोच	247/1	0 01 00

[सं. 12016/3/76-प्र०]

New Delhi, the 3rd November, 1978

S.O. 3360.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1515 dated 21-4-77 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of ROU for wire bed from Cathodic Protection Station to Anode Bed

State : Gujarat

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Manpur	District : Baroda	Taluka : Kajan		
	132	0 00	93	
Nabipur	District : Broach Survey No. 247/1	Taluka : Broach	0 01	00

[No. 12016/3/76—Prod.]

का० आ० 3361.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 529 तारीख 7-2-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार उस अधिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिरिप्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का प्रसन्न घोषित कर दिया था।

और यतः सक्रम प्राधिकारी में उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिरिप्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिरिप्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इडियन आयल कारपोरेशन सिं० में सभी संघर्षों से मुक्त रूप में इसे घोषणा के प्रकाशन की हस्त तारीख को निर्दिष्ट की गयी।

भनुसूची

तह और चाक्सु	जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
प्राम	क्षेत्रफल	हेक्टर	ऐयर	घर्गंभीर
चाक्सु		1284	0	03
		1147	0	07
		1149	0	05
		1151	0	02
		1164	0	01
				27

[सं० 12020/15/76-प्रो०]

S.O. 3361.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 529 dated 7-2-78 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification :

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Chaksu District : Jaipur State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
Chaksu	1284		0	03
	1147		0	07
	1149		0	05
	1151		0	02
	1164		0	01
				27

[No. 12020/15/76—Prod.]

मई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1978

का०आ० 3362.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावधार्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० के० ३०५० (के-175) से के०प्रा० ३३८० (के-121) तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्त करना प्रावधार्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रज्ञन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग के अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा प्रोत्तिष्ठित किया है।

वर्षते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेष्टभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोवरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

मनुसूची

कुंवा नं० के० ई० ई० -४ (के०-175) से के० आई० डब्लू० (के०-121) तक बिछाने के लिए

राज्य: गुजरात जिला: मेहसाना तालुका: कलोल

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	एमारी सेण्टीयर
कलोल	1/13/1	0 07	80
	1/13/2	0 22	28
	26	0 00	50
	27	0 12	45
	1/8	0 10	95
कार्ट ट्रैक		0 02	55
	1218	0 07	95

[सं० 12016/1/78-प्रोड० I]

New Delhi, the 5th November, 1978

S.O. 3362.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from KDE-4 (K-175) to KIW (K-121) in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9 ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. KDE-4 (K-175) to KIW (K-121)
State : Gujarat District : Mehsana Taluk : Kalol

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Kalol	1/13/1	0 07	80	
	1/13/2	0 22	28	
	26	0 00	50	

1	2	3	4	5
	27	0	12	43
	1/8	0	10	95
	Cart track	0	02	55
	1218	0	07	95

[No. 12016/1/78—Prod. I]

का० आ० 3363.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० एस-31 से एस-15 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा ग्रन्तीकृती में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रज्ञन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा प्रोत्तिष्ठित किया है ।

वर्षते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेष्टभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोवरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत ।

मनुसूची

कुंवा नं० एस० 31 से एस० 15 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य: गुजरात जिला: मेहसाना तालुका: कलोल

गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	एमारी सेण्टीयर
जेलज	417	0 03	60
	447	0 10	60
काटे ट्रैक		0 01	65
	421	0 10	50
	422	0 07	65
446/1 और 2		0 20	25
	445	0 01	20
	426	0 01	00
441/1		0 04	65
441/2		0 06	45
442/2 वी		0 04	95
442/2 ए		0 03	00
440/3		0 03	60
438/1		0 06	30
428/3		0 02	85
430		0 03	90

[सं० 12016/1/78-प्रो० III]

New Delhi, the 5th November, 1978

S.O. 3363.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from S-31 to S-15 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9 ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. S-31 to S-15

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol			
Village	Survey No.	Hectare	Arc	Centiare	
Jethalaj	417	0	03	60	
	447	0	10	50	
	Cart track	0	01	65	
	421	0	10	50	
	422	0	07	65	
	446/1 and 2	0	20	25	
	445	0	01	20	
	426	0	01	00	
	441/1	0	04	65	
	441/2	0	06	45	
	442/2 B	0	04	95	
	442/2 A	0	03	00	
	440/3	0	03	60	
	438/1	0	06	30	
	428/3	0	02	85	
	430	0	03	90	

[No. 12016/1/78—Prod. III]

S.O. 3364.—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृषि नं. ० सामन्द ४ से जी. जी. एस. एस. ग्राइंडी तक पैद्योलियम के परिष्करण के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिये।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिलासे के प्रयोजन के लिये एतद्वारा अनुसूची में अंजित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

यह: अब पैद्योलियम और बिलासे के प्रयोजन के अधिकार का अंजित अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की पारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का प्रपत्रा आशय एतद्वारा घोषित किया है:

बिलासे के लिये अधिकार की भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के भीत्र पाइप लाइन बिलासे के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निमिण और रेक्षाभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बोदरा-9 को इस अधिसूचना की सारीब से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

मीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची

सामन्द—४ से जी. जी. एस. एस. ग्राइंडी तक पाइप लाइन बिलासे के लिये राज्य: गुजरात जिला: महेश्वरा

क्षेत्रफल

शाखा	सर्वे नं.	हेक्टेयर	एग्रार्इ सेण्टीयर
तालुका काढी			
पोल	1122	0	03
	1115/2	0	06
	1116	0	05
	1114/3	0	01
	1114/2	0	04
	1092/2	0	05
	1093	0	04
	1094	0	05
	1095/3	0	01
	1090	0	04
	1089/1	0	07
	1088/4	0	03
	1063/2	0	07
	कार्ट ट्राक	0	01
	1066	0	15
	1065	0	04
	1071	0	10
	1078	0	01
	1075/2	0	09
	1075/1	0	02
	1076/2	0	06
	1076/1	0	01
	1423	2	49
पी. इल्यू ग्री रोड			
	तालुका : कलोल	0	26
हाजिपुर	618/1ए. क्लोक नं.	0	18
भीमासन	47	0	01
	46	0	16
	48	0	14
	44	0	20
	32	0	03
	31	0	17
	कार्ट ट्राक	0	00
	29	0	08
	26	0	07
	23	0	17
	22	0	00
	18	0	04
	15	0	04
	17	0	29
	16	0	00

[सं. 12016/1/78-उत्पादन II]

S.O. 3364.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SANAND—4 to GGS SIP in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission ;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9 ;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline for Sanand-4 to GGS SIP

State : Gujarat

District : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are Centiare
Taluka : Kadi			
Thol	1122	0 03	80
	1115/2	0 06	20
	1116	0 05	97
	1114/3	0 01	02
	1114/2	0 04	65
	1092/2	0 05	22
	1093	0 04	55
	1094	0 05	74
	1095/3	0 01	50
	1090	0 04	50
	1089/1	0 07	29
	1088/4	0 03	57
	1063/2	0 07	75
	Cart track	0 01	24
	1066	0 15	66
	1065	0 04	49
	1071	0 10	24
	1078	0 01	86
	1075/2	0 09	30
	1075/1	0 02	87
	1076/2	0 06	20
	1076/1	0 01	95
	1423	0 49	05
	P.W.D. Road	0 03	26
Taluka : Kalol			
Hajipur	615/1 A Block No.	0 18	60
Bhimasan	47	0 01	02
	46	0 16	50
	48	0 14	95
	44	0 20	62
	32	0 03	50
	31	0 17	00
	Cart track	0 00	62
	29	0 08	29
	26	0 07	83
	23	0 17	50

22	0	00	50
18	0	04	50
15	0	04	50
17	0	29	00
16	0	00	50

[No. 12016/1/78—Prod. II]

का० आ० 3365.—यतः केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकसभा में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० सानन्द-48 से इच्छू० एच० मार्ड० सानन्द 15 तक पैद्योलियम के परिवहन के लिये पाइप साइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आपोग द्वारा विभाई जानी जाहिये ।

मौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विभाने के प्रयोजन के लिये एतद्वापद्ध अनुसूची में वीणत भूमि में उपयोग का अधिकार प्रदित्त करता आवश्यक है ।

प्रतः प्रब वैद्योलियम भौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रदंगन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की द्वारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रदित्त करने का प्रपना आशय एतदारा घोषित किया है :

बासर्ते कि उक्त भूमि में हितव कोई व्यक्ति, उस भूमि के लीखे पाइप लाइन विभाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आपोग, निर्माण और देखभाल प्रभान, मकरपुरा रोड, बोदोदरा-9 की इस अधिसूचना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह आहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत ही था किंतु विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सानन्द — 48 से इच्छू० एच० मार्ड० सानन्द—116 तक पाइप लाइन विभाने के लिये

राज्य : गुजरात जिला : महेसना तालुका : कलोल
भेटलज

गाँव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकार्ड० सेण्टीयर
सानन्द	204/1	0 12	15
	फार्ट ट्रॉक	0 01	00
	202	0 01	00
	203	0 14	85
भेटलज	288/1	0 09	00
	291/1	0 02	70
	291/2	0 01	00
	294/4	0 05	85
	294/2	0 08	75
	298	0 02	55
	299	0 05	55
	307/1	0 01	00
	300	0 01	00
	309/3	0 04	50
	309/1भी	0 07	20
	306	0 07	35
	311	0 07	05
	314/2	0 15	45
	315	0 27	15
	354/1	0 11	70
	354/2	0 12	16
भासमेव	89/1	0 01	00
	फार्ट ट्रॉक	0 01	05
	88/पाइप	0 27	00

[स० 12016/1/78-प० IV]

S.O. 3365.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SANAND-48 to WHI ATS-15 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Sanawad-48 to WHI Sanand-15

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Survey No.	Hectare	Are Centiare
Sanawad	204/1	0	12 15
	Cart track	0	01 00
	202	0	01 00
	203	0	14 85
Jethalaj	288/1	0	09 00
	291/1	0	02 70
	291/2	0	01 00
	293/4	0	05 85
	294/2	0	08 75
	298	0	02 55
	299	0	05 55
	307/1	0	01 00
	300	0	01 00
	309/3A	0	04 50
	309/1 B	0	07 20
	306	0	07 35
	311	0	07 05
	314/2	0	15 45
	315	0	27 15
	354/1	0	11 70
	354/2	0	12 15
Nasmed	89/1	0	01 00
	Cart track	0	01 05
	88/Paiki	0	27 00

[No. 12016/1/78—Prod. IV]

का० प्रा० 3366.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० मोटवान-2 से जी० जी० एस० व तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विभाई जानी आहिये।

प्रौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विभाने के प्रयोजन के लिये एतदुपायम अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम प्रौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंजन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय 824 GI/78—5.

सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करते का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बास्ते कि उक्त भूमि में हितवद्य कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन लगाने के लिये आवेदन समझ अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग नियाण और देवधारा प्रभाग मकरपुरा रोड, बदोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

प्रौर ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह आहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या विसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कूप नं० मोटवान -2 से जी० जी० एस० व तक पाइप लाइन विभाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : महाराष्ट्र	तालुका : अंकलेश्वर
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एकार्ड संटीयर
मोटवान	152/5	0 03 90
	152/4	0 05 20
	150/3	0 03 90
	15	0 06 24
	16/2	0 01 50

[सं० 12016/1/78 प्रा०-व]

S.O. 3366.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Well No. Motwan-2 to GGS-V in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Well No. Motwan-2 to GGS-V

State : Gujarat District : Broach Taluka : Ankleshwar

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Motwan	152/5	0	03	90
	152/4	0	05	20
	150/3	0	03	90
	15	0	06	24
	16/2	0	01	50

[No. 12016/1/78—Prod. VI]

का० ना० 3367—यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृपं० के० शो० डी०-३ से के०-१५४ तक पैट्रोलियम के परिकहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

द्वीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाद्य अनुसूची में अधित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित करना आवश्यक है।

यतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंजेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अंजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वशात् कि उक्त भूमि में हितवद्य कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आवेदन समय अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निमाण और वेदामाल प्रभाग, सफरपुरा रोड, वडोदरा-९ को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

द्वीर ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह आहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की साफेत।

अनुसूची

कृपं० के० शो० डी०-३ से के०-१५४ तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

प्रांगणः	गुजरात	जिला	मेहसाना	तालका	कलोल
प्रांक	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एकारी	सेण्टीयर	
कलोल	627	0	16	76	
	626	0	16	60	
	625/3	0	16	76	
Railway land	0	03	76		
	625/1	0	02	00	
Cart Track	0	01	00		
	622	0	06	00	
Road	0	05	85		
	383	0	07	80	
	384	0	08	85	
	396	0	16	96	
	397	0	03	23	
	399	0	01	43	
	401	0	01	00	
	402	0	07	20	
	395	0	09	30	
Cart Track	0	00	45		
	437	0	04	20	

S.O. 3367.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from DS. KOD-3 to K-157 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-9;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from D. S. KOD-3 to K-154

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Chhatral	627	0	15	75
	626	0	15	60
	625/3	0	15	75
Railway land	0	03	75	
	625/1	0	02	00
Cart track	0	01	00	
	622	0	06	00
Road	0	05	85	
Ola	383	0	07	80
	384	0	08	85
	396	0	16	95
	397	0	03	23
	399	0	01	43
	401	0	01	00
	402	0	07	20
	395	0	09	30
Cart track	0	00	45	
	437	0	04	20

नई विल्सी, 8 नवम्बर, 1978

पुष्टि-पत्र

का०आ० 3368.—पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग, नई विल्सी दिनांक 19 फरवरी, 1976, पेट्रोलियम पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) प्रधिनियम, 1962, जिला कीरा।

गुजरात राज्य, जिला—कीरा, तालुका—मतार खुराई स्थल छी जे से ढी ओ तक पाईपलाईन विठाने के लिए उपयोग के अधिकार के अर्जन के लिए पेट्रोलियम पाईपलाईन प्रधिनियम, 1962 के खण्ड 3(i) के अन्तर्गत जारी पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय, नई विल्सी, सरकारी प्रधिसूचना सं० 12016/13/74-एलएंड एल दिनांक 4 दिसम्बर, 1974 और खण्ड 6(i) के अन्तर्गत जारी प्रधिसूचना सं० 12016/13/74-एलएंड एल दिनांक 19 फरवरी, 1976 संलग्न प्रत्यक्षी में :

गांव	सर्वेक्षण	के लिए							
		संख्या	हेक्टेयर	ए.मार्टि	सेंटीयर	गांव	सर्वेक्षण सं०	हेक्टेयर	ए.मार्टि
पौषा	257 काटेरूक	0	00	86	बारसंग	173	0	03	10
		0	01	10		181/पी	0	04	30
						172	0	04	32
						176	0	18	20
						151	0	01	80
						149/2	0	01	68
						149/1	0	00	35
के लिए									
गांव	सर्वेक्षण सं०	हेक्टेयर	ए.मार्टि	सेंटीयर					
जिला : अहमदाबाद		तालुका : डोल्का							
बीया	150	0	04	92					
	143/2	0	00	00					
	142	0	05	04					
	141/ए/1	0	00	78					
	141/ए/2	0	03	00					
	141/बी	0	04	56					
	139	0	01	30					
	138/पी	0	27	78					
	124/पी	0	04	80					
	123	0	00	05					
	259	0	07	44					
	257	0	03	50					

[सं० 12016/13/74-ग्र०]

एस० एम० शाह, नवीम, अवर सचिव

New Delhi, the 8th November, 1978.

ERRATUM

S.O. 3368.—Ministry of Petroleum & Chemicals, Petroleum Aur Rasayan Mantralaya, Department of Petroleum, New Delhi, dated 19th February, 1976, Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962, District : Kaira.

In schedule appended to the Govt. notification, Ministry of Petroleum & Chemicals, New Delhi, No. 12016/13/74—L&L dated 4th December, 1974, issued under section 3(1) and notification No. 12016/(13/74)—L&L dated 19th February, 1976, issued under section 6(1) of the Petroleum Pipelines Act, 1962, for the acquisition of Right of User for laying Pipeline from drill site DJ to DO, in Gujarat State, District Kaira, Taluka Matar.

READ

FOR

Village	Survey No.	Area			Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Acre	Centiare			Hectare	Acre	centiare
Vautha	257 Cart-track	0 0	00 01	86 10	Varsang	173 181/P 172 176 151 149/2 149/1	0 0 0 0 0 0 0	03 04 04 18 01 01 00	10 30 32 20 80 68 35
							Dist. : Ahmedabad	Taluka : Dholka	
					Vautha	150 143/2 142 141/A/1 141/A/2 141/B 139 138/P 124/P 123 259 257	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	04 09 05 00 03 04 01 27 04 00 07 03	92 00 04 75 00 56 30 75 80 05 44 50

[No. 12016/13/74—Prod.]

S. M. Y. NADEEM, Under Secy.

नई विस्ती, 30 अक्टूबर, 1978

का०धा० 3369.—भारत सरकार के द्वारा जैसा कि पहां संलग्न भवयूनी में प्रदर्शित किया गया है और पेट्रोलियम और जूनियर पाइप लाइन (प्रयोक्ता) के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, महाराष्ट्र राज्य में उक्त परिषिष्ठ भूमि में उरण टर्मिनल से उरण तकुप्रा जिला कुलाबा ट्रॉन्क टक्के पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (1) में निर्दिष्ट कार्य विनांक 31-8-1978 से समाप्त कर दिया है।

इतः भव पेट्रोलियम पाइप लाइन नियमावली के नियम 4 (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम 1963 के अन्तर्गत सभी प्राधिकारी एवं उपधारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसंचित करते हैं।

भवयूनी

उरण टर्मिनल से ट्रॉन्क टक्के पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

भवालय नाम गाँव	का०धा०सं०	भारत के राजपत्र	कार्य समाप्ति की तिथि	तिथि
पेट्रोलियम, नागांव	117(६)	20-2-1978	31-8-1978	
संसाधन, और	182(६)	20-3-1978	31-8-1978	
पर्सर				

[No. 12016/9/78—Prod.-I]

S.O. 3369.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under Sub-section (i) of section 6 of the Petroleum & Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from Uran Terminal to Trombay in Uran Taluka, Dist. Kulaba in Maharashtra State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 31-8-78.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum pipelines (Acquisition of right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from Uran Terminal to Trombay

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemical & Fertilizer	Nagaon	117(E) 182(E)	20-2-78 20-3-78	31-8-78 31-8-78

[No. 12016/9/78—Prod.-I]

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1978

का० आ० 3370.—भारत सरकार के प्रधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहाँ संलग्न अनुसूची में प्रवर्णित किया गया है और पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोक्ता के भूमि प्रधिप्राप्ति प्रधिकार) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, महाराष्ट्र राज्य में उक्त परिशिष्ट भूमि में उरण टर्मिनल से उरण तालुका जिला कुलाबा ट्रॉम्बे तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि उपयोग के प्रधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेव एवं प्राकृतिक रैस प्रयोग ने उपर्युक्त नियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 31-8-1978 से समाप्त कर दिया है।

अतः अब पैट्रोलियम पाइप लाइन नियमाबली के नियम 4 (प्रयोग करने के भूमि प्रधिप्राप्ति प्रधिकार) नियम 1963 के अस्तर्गत सक्रम प्राधिकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि प्रविश्वित करते हैं।

अनुसूची

उरण टर्मिनल से ट्रॉम्बे तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय नाम	गांव	का०आ०सं०	भारत के राजपत्र	कार्य समाप्ति की में प्रकाशन की तिथि	तिथि
पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	पाणजे	181(₹)	20-3-1978	31-8-1978	
		318(₹)	12-5-1978		

[12016/9/78-प्र० II]

S.O. 3370.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under Sub section (i) of section 6 of the Petroleum & Mineral pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from Uran Terminal to Trombay in Uran Taluka, Dist. Kulaba in Maharashtra State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 31-8-78.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from Uran Terminal to Trombay

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of Publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemical & Fertilizer	Parje	181(E)	20-3-78	31-8-78
		318(E)	12-5-78	

[No. 12016/9/78-Prod. II]

का० आ० 3371.—भारत सरकार के प्रधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहाँ संलग्न अनुसूची में प्रवर्णित किया गया है और पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोक्ता के भूमि प्रधिप्राप्ति प्रधिकार) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, महाराष्ट्र राज्य में उक्त परिशिष्ट भूमि में उरण टर्मिनल से उरण तालुका जिला कुलाबा ट्रॉम्बे तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि उपयोग के प्रधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेव एवं प्राकृतिक रैस प्रयोग ने उपर्युक्त नियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (1) में निर्दिष्ट कार्य दिनांक 31-8-1978 से समाप्त कर दिया है।

अतः अब पैट्रोलियम पाइप लाइन नियमाबली के नियम 4 (प्रयोग करने के भूमि प्रधिप्राप्ति प्रधिकार) नियम 1963 के अस्तर्गत सक्रम प्राधिकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि प्रविश्वित करते हैं।

अनुसूची

उरण टर्मिनल से ट्रॉम्बे तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय नाम	गांव	का०आ०सं०	भारत के राजपत्र	कार्य समाप्ति की में प्रकाशन की तिथि
पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	बोरिपाखडी	118(₹)	20-2-1978	31-8-1978
		183(₹)	20-3-1978	
		453(₹)	17-7-1978	

[स० 12016/9/78-प्र० III]

S.O. 3371.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under Sub section (i) of section 6 of the Petroleum & Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from Uran Terminal to Trombay in Uran Taluka, Dist. Kulaba in Maharashtra State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 31-8-78.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from Uran Terminal to Trombay

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of Publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemical & Fertilizer	Boripakhadi	118(E)	20-2-78	31-8-78
		183(E)	20-3-78	
		453(E)	17-7-78	

[No. 12016/9/78-Prod. III]

का० घा० 3372.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहाँ संलग्न भनुसूची में प्रवर्णित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, महाराष्ट्र राज्य में उक्त परिशिष्ट भूमि में उरण टर्मिनल से उरण तलकुआ जिला कुलाबा दौँम्बे तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

सेस एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (1) में निर्दिष्ट कार्य विनांक 31-8-1978 से समाप्त कर दिया है।

प्रत: घब पेट्रोलियम पाइप लाइन नियमावली के नियम 4 (प्रयोग करने के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम 1963 के अन्तर्गत सकाम प्राप्तिकारी एवं द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

भनुसूची

उरण टर्मिनल से दौँम्बे तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

संलग्न नाम गांव	का० घा० सं० भारत के राजपत्र	कार्य समाप्ति की तिथि	में प्रकाशन की तिथि	तिथि
पेट्रोलियम, रानवड 115(६)	20-2-1978	31-8-1978		

[सं० 12016/9/78-प्र० IV]

S.O. 3372.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under Sub section (i) of section 6 of the Petroleum & Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from Uran Terminal to Trombay in Uran Taluka District in Maharashtra State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 31st August, 1978.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from Uran Terminal to Trombay

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of Publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemical & Fertilizer	Ranwad	115(E)	20-2-78	31-8-78

[No. 12016/9/78-Prod. IV]

का० घा० 3373.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहाँ संलग्न भनुसूची में प्रवर्णित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, महाराष्ट्र राज्य में उक्त परिशिष्ट भूमि में उरण टर्मिनल से उरण तलकुआ जिला कुलाबा दौँम्बे तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

में उक्त परिशिष्ट भूमि में उरण टर्मिनल से उरण तलकुआ जिला कुलाबा दौँम्बे तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेस एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (1) में निर्दिष्ट कार्य विनांक 31-8-78 से समाप्त कर दिया है।

प्रत: घब पेट्रोलियम पाइप लाइन नियमावली के नियम 4 (प्रयोग करने के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम 1963 के अन्तर्गत सकाम प्राप्तिकारी एवं द्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि अधिसूचित करते हैं।

भनुसूची

उरण टर्मिनल से दौँम्बे तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

संलग्न नाम गांव	का० घा० सं० भारत के राजपत्र	कार्य समाप्ति की तिथि	में प्रकाशन की तिथि	तिथि
पेट्रोलियम, शेवा	317(६)	12-5-1978	31-8-1978	

[सं० 12016/9/78-प्र० VI]

S.O. 3373.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under Sub section (i) of section 6 of the Petroleum & Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from Uran Terminal to Trombay in Uran Taluka Dist. Kulaba in Maharashtra State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 31st August, 1978.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from Uran Terminal to Trombay

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of Publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemical & Fertilizer	Shewa	317(E)	12-5-78	21-8-78

[No. 12016/9/78-Prod. V]

का० घा० 3374.—भारत सरकार के द्वारा जैसा कि यहाँ संलग्न भनुसूची में प्रवर्णित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, महाराष्ट्र राज्य में उक्त परिशिष्ट भूमि में उरण टर्मिनल से उरण तलकुआ जिला कुलाबा दौँम्बे तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भूमि उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेव एवं प्राकृतिक गैस प्रयोग ते उपर्युक्त नियम की धारा 7 की उपधारा (1) के प्रतुष्ठेद (1) में निविष्ट कार्य विनांक 31-8-1978 से समाप्त कर दिया है।

अतः अब पैट्रोलियम पाइप लाइन नियमावली के नियम 4 (प्रयोग करने के भूमि प्रधिग्रहण प्रधिकार) नियम 1963 के अस्तर्गत सक्षम प्राधिकारी एवं दूसरा उक्त तिथि को कार्य समाप्ति की तिथि प्रधिसूचित करते हैं।

प्रनश्ची

उरण टर्मिनल से ट्रॉम्बे तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम गाँव	का०प्रा०सं०	भारत के राजपत्र कार्य समाप्ति की तिथि
पैट्रोलियम, महात्मा० 116(ई)	20-2-1978	31-8-1978
रसायन और 184(ई)	20-3-1978	
उपर्युक्त		

[सं० 12016/9/78-प्र० VI]

एस० जी० कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 3374.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under Sub section (i) of section 6 of the Petroleum & Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from Uran Terminal to Trombay in Uran Taluka, Dist. Kurla in Maharashtra State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (l) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 31st August, 1978.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from Uran Terminal to Trombay

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of Publica- tion in the Gazette of India	Date of termina- tion of opera- tion
Petroleum, Che- mical & Fertilizer	Mhatra- vall	116(E) 184(E)	20-2-78 20-3-78	31-8-78

[No. 12016/9/78—Prod. VI]

S. G. KULKARNI, Competent Authority

उपर्युक्त मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई विल्सनी, 30 अक्टूबर, 1978

शक्ति-पत्र

का० ज्ञा० 3375.—भारत के राजपत्र भ्राताधारण विनांक 14 सितम्बर, 1978 के भाग II खण्ड 3 के उपर्युक्त (ii) में पृष्ठ 1078 पर प्रकाशित

भारत सरकार, ऊर्जा-मंत्रालय (कोयला विभाग) की प्रधिसूचना सं० सा० ज्ञा० 658(ई) विनांक 6 सितम्बर, 1978 की सतीरी पंक्ति में 'रानीगंज' के स्थान पर 'रानीपुर' पढ़ा जाए।

[फाइल सं० 15014/2/77-सीपी सी/सी भार सी]

एस० के० बोस, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 30th October, 1978

CORRIGENDUM

S.O. 3375.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) S.O. 558(E), dated the 6th September, 1978 published at page 1078 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II section 3, sub-section (ii) dated the 14th September, 1978 at page 1078, in line 7 for "Raniganj" read "Ranipur".

[File No. 15014/2/77-CPC/CRC]

S. K. BOSE, Joint Secy.

नई विल्सनी, 8 नवम्बर, 1978

शक्ति-पत्र

का० ज्ञा० 3376.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपर्युक्त (ii) विनांक 2 सितम्बर, 1978 के पृष्ठ 2362 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की प्रधिसूचना सं० का० ज्ञा० 25 तारीख 14 अगस्त, 1978 में—

पृष्ठ 2362 पर—

- (1) प्रनश्ची के नीचे 'झांग सं० डब्ल्यू सी/एस/की १०७७' के स्थान पर 'झांग सं० डब्ल्यू सी एल/केबी/आई बी/भमि/१०७७' पढ़िए।
- (2) प्रनश्ची में घण्टन ग्राम "छुप्राली बेरना" के स्थान पर 'छुप्राली बेरना' पढ़िए।
- (3) "लाजकुरा ग्राम" में प्रजित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएं" के स्थान पर "लाजकुरा ग्राम में प्रजित किए गए प्लाटों की संख्याएं" पढ़िए।
- (4) "छुप्राली बेरना ग्राम में प्रजित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएं" के स्थान पर "छुप्राली बेरना ग्राम में प्रजित किए गए प्लाटों की संख्याएं" पढ़िए।
- (5) "जोब (सात) ग्राम में प्रजित किए जाने वाले प्लाटों की संख्याएं" के स्थान पर "जोब (सात) ग्राम में प्रजित किए गए प्लाटों की संख्याएं" पढ़िए।
- (6) छुप्राली बेरना ग्राम में प्रजित किए गए प्लाटों की संख्या में इसाएं गए प्लाट सं० "1972" के स्थान पर "1072" पढ़िए।
- (7) सीमा घण्टन शीर्ष के नीचे तीसरी पंक्ति में—
 - (i) "प्लाट सं० ९७६ के साथ-साथ" के स्थान पर "प्लाट सं० ९७६ की सीमा के साथ-साथ" पढ़िए।
 - (ii) सीमा घण्टन शीर्ष के नीचे तीसरे पैरा में "सी झी लालन-जोब (सात) ग्राम के प्लाट सं० 20 की सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 2, 22, 21 से होकर जाती है, प्लाट सं० 15 का सीमा के साथ साथ प्लाट सं० 18 से होकर प्लाट सं० 16, 43, 44 से

“होती हुई बिन्दु ‘जी’ पर मिलती है” के स्थान पर निम्नलिखित पढ़ें:—

“सी जी लाइन जोब (सान) ग्राम के प्लाट सं० 2, 22, 21 से होकर, प्लाट सं० 20 की सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 18 से होकर, प्लाट सं० 15 की सीमा के साथ-साथ तथा प्लाट सं० 16, 43, 44 से होती हुई बिन्दु ‘जी’ पर मिलती है।”

[सं० सी 5-4(24)/74-सी ए] [एस० आर० ए० रिजर्वी, निदेशक]

New Delhi, the 8th November, 1978

CORRIGENDUM

S.O. 3376.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2525, dated the 14th August, 1978, published at page 2363 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 2nd September, 1978 —

At page 2363 :

(1) Under the heading plot numbers acquired in village Chhuialberna

For “992A” read “992”;

(2) Under the heading Boundary Description in Line A-B For “901” read “991”.

[No. C. 5-4(24)/74-CL]

S. R. A. RIZVI, Director

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण भवान

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1978

का० आ० 3377.—योग उपकरण (प्रबन्ध अधिग्रहण) अधिनियम, 1977 (1977 का 21) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार स्वामी मनुवर्याजी को दो योग समितियों के उपकरणों अर्थात् विश्वायतन योगाश्रम, नई दिल्ली प्रीर केन्द्रीय योग भ्रम-संघान संस्थान, नई दिल्ली में 17 अक्टूबर, 78 से सर्वप्रथम एक वर्ष की प्रवधि के लिए प्रशासक के पद पर नियुक्त बनाती है।

स्वामी मनुवर्याजी की नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री छत्रसाल सिंह ने 17 अक्टूबर, 78 प्रभारालू से उपर्युक्त दोनों योग समितियों के उपकरणों के प्रशासक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

[सं० आर० 11016/18/78 आयुर्वेद डेस्क-2]
सं० आर० फृण्मूर्ति, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 4th November, 1978

S.O. 3377.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 4 of the Yoga Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1977 (21 of 1977) the Central Government hereby appoints Swami Manuvaryaji as the Administrator of the Undertakings of the two Yoga Societies namely Vishwayatan Yogashram, New Delhi and the Central Research Institute for Yoga, New Delhi with effect from the afternoon of the 17th October, 1978, for a period of one year in the first instance.

Consequent on the appointment of Swami Manuvaryaji, Shri Chhatrasaj Singh relinquished charge of the post of Administrator of the Undertakings of the two Yoga Societies mentioned above with effect from the afternoon of the 17th October, 1978.

[No. R. 11015/18/78-Ay. Desk.II]
C. R. KRISHNAMURTHY, Jt. Secy.

माँवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1978

(व्यापार पोत परिवहन)

का० आ० 3378.—यापार पोत अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रीर भारत सरकार के भूतपूर्व नीबूहन प्रीर संचार मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा० आ० 3130, दिनांक 17 दिसम्बर, 1960 का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतम्हारा राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की सारीश से इसके साथ संलग्न अनुसूची के द्वितीय स्तरमें निविष्ट प्रयोक्ता अधिकारी को उक्त अनुसूची के प्रथम स्तरमें अनुरूपी प्रविष्टि में निविष्ट पत्तों पर उक्त अधिनियम के उद्देश्य के लिए ऐडियो निरीक्षक नियुक्त करती है।

अनुसूची]

पत्तन	अधिकारी
बम्बई } कालकता } पारावापीप]	प्रधान अधिकारी, जल परिवहन विभाग, बम्बई जिला।
मार्गुगांव	ऐडियो निरीक्षक, जल परिवहन विभाग, बम्बई जिला।
कलकता } पारावापीप]	प्रधान अधिकारी, जल परिवहन विभाग, कलकता जिला।
पोर्ट एस्प्रेसर	ऐडियो निरीक्षक, जल परिवहन विभाग, कलकता।
मद्रास } कोचीन]	प्रधान अधिकारी, जल परिवहन विभाग, मद्रास।
विशाखापत्तनम	ऐडियो निरीक्षक, जल परिवहन विभाग, मद्रास।

[सं० 11-एम०ए०टी० (27)/77-एम०ए]

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, 30th October, 1978

(MERCHANT SHIPPING)

S.O. 3378.—In exercise of the powers conferred by section 10 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the Notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communications No. S.O. 3130, dated the 17th December, 1960, the Central Government hereby appoints, with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette each of the officers specified in the second column of the Schedule annexed hereto as a Radio Inspector for the purpose of the said Act at the ports specified in the corresponding entry in the first column of the said Schedule.

SCHEDULE

Ports	Officers
Bombay } Kandla]	Principal Officer, Mercantile Marine Department, Bombay District.
Mormugao	Radio Inspectors, Mercantile Marine Department, Bombay District.

Posts	Officers
Calcutta } Paradip }	Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District.
Port Blair	Radio Inspector, Mercantile Department, Calcutta.
Madras } Cochin }	Principal Officer, Mercantile Marine Department, Madras.
Vishakapatnam	Radio Inspector, Mercantile Department, Madras.

[No. 11—MAT(27)/77—MA]

नई विल्ली, 2 नवम्बर, 1978

(व्यापार पोस्ट)

कांस्ट्रा० 3379—नाविक भविष्य निधि योजना, 1966 के पैरा 3 के उप पैरा (1) के साथ पठित नाविक भविष्य निधि प्रधिनियम, 1966 (1966 का 4) की द्वारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एटद्वारा नौवहन और परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार के उप सचिव यों, जो नाविक कल्याण कार्यों से संबंधित हैं, नौवहन और परिवहन मंत्रालय में नाविक कल्याण कार्यों से संबंधित निदेशक के स्थान पर, नाविक भविष्य निधि के च्यासी मंडल का सदस्य नियुक्त करती है और नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पथ) भारत सरकार को 10 जनवरी, 1977 की प्रधिमूचना सं० 616 में निम्नलिखित संशोधन करती है; प्रथात् :—

उक्त प्रधिमूचन में, क्रम सं० 1 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रद्दी जाएँ :—

“1. उप सचिव, भारत सरकार,

सरकारी अधिकारी

नौवहन और परिवहन मंत्रालय,

नाविक कल्याण से संबंधित

[कांस्ट्रा० एम इल्यू एस (40)/76-एम टी]

के० लाल, अव० सचिव

New Delhi, the 2nd November, 1978

(MERCHANT SHIPPING)

S.O. 3379.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966), read with sub-paragraph (1) of paragraph 3 of the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966, the Central Government hereby appoints the Deputy Secretary to the Government of India Ministry of Shipping & Transport, dealing with Seamen's Welfare as member of the Board of Trustees of the Seamen's Provident Fund in place of the Director in the Ministry of Shipping and Transport dealing with Seamen's Welfare and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping & Transport (Transport Wing) No. S.O. 616, dated the 10th January 1977, namely :—

In the said notification, for serial number 1 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“1. Deputy Secretary to the Government of India Ministry of Shipping and Transport Official” dealing Seamen's Welfare.

[F. No. MWS (40)/76-MT]

K. LAL, Under Secy.

नई विल्ली, 8 नवम्बर, 1978

कांस्ट्रा० 3380—गोदर गाड़ी प्रधिनियम, 1939 (1939 का 4) की द्वारा 128-के स्पष्टीकरण द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एटद्वारा भारत सरकार के नौवहन और परिवहन

823 GI/78—6

मंत्रालय (परिवहन पथ) की प्रधिमूचना सं० कांस्ट्रा० 1450 दिनांक 3 मई, 1978 को जो 20 मई, 1978 के भारत के राजपत्र, भाग-II खंड 3, उप-खंड (ii) में पृष्ठ 1406 पर प्रकाशित हुई, में निम्नलिखित संशोधन करती है; प्रथात् :—

उक्त प्रधिमूचना में, यंत्र III के बावजूद निम्नलिखित रद्दी जाए, प्रथात् :—
“यंत्र IV—स्वास विश्लेषक में निम्नलिखित होंगे, प्रथात् :—

एक प्रमाणिक प्रक्रमूचक यंत्र जो अल्कोहल युक्त स्वास के साथ आकस्मीकृत किये जाने पर एक विद्युत संकेत देता है, जिसे एक एल्कोहल संबंधन के रूप में प्रवर्द्धित एवं प्रवर्शित किया जाता है।”

[कांस्ट्रा० एम टी जी एम (29)/76]

चन्द्रभान बड़गुजर, उप सचिव

New Delhi, the 8th November, 1978

S.O. 3380.—In exercise of the powers conferred by the Explanation to section 128 A of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 1450, dated the 3rd May, 1978, published in the Gazette of India, Part II-Section 3 Sub-section (ii), dated the 20th May, 1978, at page 1406, namely :—

In the said notification, after Device III, the following shall be inserted, namely :—

“Device IV—The breath analyser shall comprise the following, namely :—

‘An evidential digital instrument when oxidized with the breath containing alcohol an electric signal which is amplified and displayed as blood alcohol concentration.’

[File No. TGM(29)/76]

C. B. BUDGUJAR, Dy. Secy.

नई दिल्ली 9 नवम्बर, 1978

कांस्ट्रा० 3381—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, भारत सरकार एटद्वारा नौवहन और परिवहन मंत्रालय के निम्नलिखित सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों को प्रधिमूचित करती है, जहाँ के 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है :—

- (1) दीपचर और दीपचोत विभाग, रामकृष्णपुरम, नई विल्ली-110022
- (2) अन्तर्राष्ट्रीय जल परिवहन निदेशालय, ट्रॉसपोर्ट भवन, नई दिल्ली-110001
- (3) वेतन एवं लेखा अधिकारी का कार्यालय, जामनगर हाउस, नई दिल्ली-110011
- (4) लाल बहादुर गांधी नौटिकल एण्ड इंजीनियरिंग कॉलेज, हैंडिंड रोड, टैक रोड पोस्ट, बंगलौर।

[कांस्ट्रा० एच पी यू/6/78]

बी० बी० मुद्राघास, उप सचिव

New Delhi, the 9th November, 1978

S.O. 3381.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union Rules, 1976, the Government of India hereby notifies the following Attached and Subordinate Offices of the Ministry of Shipping and Transport, 80 per cent staff whereof have been reported to have acquired working knowledge of Hindi :—

- (1) Department of Lighthouses and Lightships, R. K. Puram, New Delhi-110022.

- (2) Inland Water Transport Directorate, Transport Bhawan, New Delhi-110001.
- (3) Office of the Pay & Accounts Officer Jamnagar House, New Delhi-110011.
- (4) Lal Bahadur Shastri Nautical & Engineering College, Hay Bunder Road, Tank Road Post, Bombay.

[F. No. HPU/6/78]
V. V. SUBRAHMANYAM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1978

का०आ० 3382—वीपशर अधिनियम, 1927 (1927 का 17) की घारा 4 की उपधारा (i) के प्रत्युत्तर में केन्द्रीय सरकार एतद्, द्वारा 20 नवम्बर, 1978 से दो वर्ष की अवधि के लिए दीपधरों के लिए एक केन्द्रीय सलाहकार समिति नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे, अथवा :—

अध्यक्षः

1. सचिव, भौवहन और परिवहन परिवर्तन मंत्रालय

सदस्यः

2. भारत सरकार के दौ सलाह कार, जहाज भवन, बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई- 1
3. भारत सरकार के मुख्य जल सर्वेक्षक, नौ जल सर्वेक्षण कार्यालय, पोस्ट बाक्स नं० 75, देहरादून-248001
4. श्री डी०सी० खोना, द्वारा इंडियन फैडरेशन आफ इंडियन बैम्बरसंचयर आफ कामसं, पी०ओ० आफ कामसं एण्ड इंडस्ट्री के बाक्स सं० 236, कोचीन 682002
5. श्री एस० राय, मैकीनात मैकेंजी एसोसिएटिव बैम्बरसं आफ कामसं एण्ड क०, प्राइटेट लि०, शूजी वल्लभदास मार्ग, पोस्ट बाक्स नं० 122, बम्बई
6. कैप्टन एम०क० मिश्रा इंडियन नेशनल शिपओनसं एसोसिएशन के प्रतिनिधि।
7. कैप्टन आर० डी० कोचीन, द्वारा इंडियन नेशनल शिपओनसं एसोसिएशन कार्यालयेरेशन आफ सिएण्डन के प्रतिनिधि। इंडिया, शिपिंग हाउस, 229/232, मदाम कामा रोड, बम्बई।
8. श्री ईश्वरभाई जी० देसाई, आल इंडिया सीलिंग बैसल्स इंडस्ट्री एसोसिएशन फार बैस्ट कोस्ट के प्रतिनिधि। अध्यक्ष, गुजरात वाहनबालू, एण्ड मच्छीमार संघ, आरोग्य-नगर, अवधा लेन, सूरत।
9. श्री बेषालियर, सी०आ०आ०आर० मच्छी क०एस०सी० अध्यक्ष, दूतीकोरन सेलिंग बैसल्स आनंद एसोसिएशन, कैप्टन मच्छी बिल्डिंग, 50, बीच रोड, दूतीकोरन-628001.

10. कैप्टन एम०क० मैथ्यू, उप-इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन के संरक्षक, कोचीन पत्तन म्यास, प्रतिनिधि। कांचीन।

11. कैप्टन जी०पी० एस० भल्ला, भारतीय मास्टर नाविक कंपनी के मुख्य कार्यकारी, सेवन सीज ट्रास्पोर्टेशन 15-ए, चंद्रमुखी, नारोपत व्हाइट, बम्बई।

12. वित्तीय सलाहकार, नीबहन पवेन और परिवहन मंत्रालय, ट्रांस-पोर्ट भवन, नई दिल्ली।

13. दीपशर और दीपप्रोत के महापवेन (सवस्य सचिव) निवेशक, नई दिल्ली।

[फाईल सं० एल०एल०ई० 33/78]
श्रीमतो बी० निर्मल, अवध अधिकारी

New Delhi, 13th November, 1978

S.O. 3382—In pursuance of sub-section (1) of Section 4 of the Lighthouse Act, 1927 (17 of 1927) the Central Government hereby appoints for a period of two years from the 20th November, 1978, a Central Advisory Committee for Lighthouses consisting of the following persons, namely :—Chairman.

1. Secretary, Ministry of Shipping and Transport. Ex-Officio

Members :

2. Nautical Adviser to the Ex-Officio Government of India, Jahaz Bhawan, Walchand Hirachand Marg, Bombay.

3. Chief Hydrographer to the Ex-Officio Government of India, Navel Hydrographic Office, Post Box No. 75, Dehradun-248001.

4. Shri D. B. Khona, C/o. Representative of the Federation of Indian Chamber of Commerce, Post Box No. 236, Cochin-682002.

5. Shri S. Ray, C/o. Mackinnon Mackenzie & Co. Pvt. Ltd., Shoorji Vallabhadas Marg, Post Box No. 122, Bombay.

6. Capt. S. K. Misra, Commercial Executive, Port House 221, Dr. D. N. Road, Bombay.

7. Capt. R. D. Kohli, C/o. Representative of the Indian Shipping Corporation of India, Shipping House, 229/232, Madame Cama Road, Bombay.

8. Shri Ishwarbhai G. Desai, President, Gujarat Vahan-walu & Machhimar Sangh, Arogyanagar, Athwa Lane, Surat.
- Representative of the Federation of All India Sailing Vessels Industry Association, for West Coast.
9. Shri Chavalier, C. I. R. Machado K. S. G., President, The Tuticorin Sailing Vessels Owners' Association, Capt. Machado Building, 50, Beach Road, Tuticorin-628001.
- Representative of the Federation of All India Sailing Vessels Industry Association, for East Coast.
10. Capt. M. K. Mathew, Deputy Conservator, Cochin Port Trust, Cochin.
- Representative of the Indian Ports Association.
11. Capt. G. P. S. Bhalla, Chief Executive, Seven Seas Transportation, 13-A, Chander Mukhi, Nariman Point, Bombay.
- Representative of the Company of Master Mariners of India.
12. Financial Adviser, Ministry of Shipping and Transport.
- Ex-Officio
13. Director General of Light-houses and Lightships.

[F. No. LLE-33/78]
SMT. B. NIRMAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 नवम्बर 1978

का०आ० 3383.—सचिवी एस० सी० सेठ और रसिकलाल एच० नरेचनिया को भारत सरकार के नौकरहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की प्रधिसूचना सं० 3437, तारीख 17 दिसम्बर, 1974 द्वारा मुम्हर्झ डॉक अमिल कोडे के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था;

और उक्त सदस्यों के ख्यालपत्र देने से उक्त बोर्ड में रिक्तियां उत्पन्न हो गई हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम, 1962 के नियम 4 के अनुसरण में उक्त रिक्तियां प्रधिसूचित करती है।

[फा० सं० ए० डी० बी०-२७/७८-ए०-३]
बी० संकरालिंगम, अव० तथा

(Transport Wing)

New Delhi, the 13th November, 1978

S.O. 3383.—Whereas S/Shri S. C. Sheth and Rasiklal H. Narechania were appointed as members of the Bombay Dock Labour Board by notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. 3437 dated 17th December, 1974;

And whereas vacancies have occurred in the said Board on the resignation of the said members;

Now, therefore, in pursuance of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby notifies the said vacancies.

[F. No. LBD-27/78-I.III]
V. SANKARALINGAM, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

का०आ० 3384.—राष्ट्रपति, सरकारी निवास स्थान आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 के अनुप्रूपक नियम 318-ए०-2 के खण्ड (ब) के प्रनुसार में 1.12.1978 को प्रारम्भ होने वाली और 31 दिसम्बर, 1980 को समाप्त होने वाली प्रवधि को आवंटन वर्ष की प्रवधि के रूप में प्रधिसूचित करते हैं।

[फा० सं० 12033(16)/77-नीति-2]

जी० रामचन्द्रन, संपद उपनिवेशक (प्रशांत व नीति)

MINISTRY OF WORKS AND MOUSING

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3384.—In pursuance of clause (b) of S.R. 317-B-2 of the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, the President hereby notifies the period commencing on the 1st day of December, 1978 and ending on the 31st day of December, 1980 as the period of the allotment year.

[File No. 12033(16)/77-Pol. II]
G. RAMACHANDRAN, Dy. Director of Estates
(Admn. and Pol.)

(सम्पद निवेशालय)

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1978

का०आ० 3385 केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (प्रप्राधिकृत प्रधिसूचियों की बेदखली) प्रधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तीव्र दी भई सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित प्रधिकारी को, जो सरकार का राजपत्रित प्रधिकारी है, उक्त प्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए "संपदा प्रधिकारी" के रूप में नियुक्त करती है, और आगे यह निर्देश देती है कि उक्त प्रधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनियिष्ट सरकारी स्थान के संबंध में प्रपनी प्रधिकारिता की सीमा के भीतर, उक्त प्रधिनियम के द्वारा या उसके प्रधीन "संपदा प्रधिकारी" की प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और प्रधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

प्रधिकारी का पदनाम

सरकारी स्थान के प्रवर्ग और प्रधिकारिता की स्थानीय सीमाएं

सहायक संपदा प्रबंधक, भारत सरकार, मद्रास।

उसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन, मद्रास में स्थित, केन्द्रीय सरकार के, या पट्टे पर लिए गए या उसकी ओर से या उसके द्वारा प्रधिगृहीत स्थान।

[फा० सं० 21012(1)/77-पोल-III]
बी० एम० गुप्ता, उप-सम्पदा निदेशक

Directorate of Estates

New Delhi, 6th November, 1978

S.O. 3385.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being gazetted officer of Government to be "estate officer" for the purposes of the said Act, and further directs that the said officer

shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on the "estate officers" by or under the said Act, within the limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the Officer Categories of public premises and Local limits of jurisdiction

(1)	(2)
The Assistant Estate Manager, Government of India, Madras.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by, or on behalf of, the Central Government situated within Madras, under his administrative control.

[F. No. 21012(1)/77-POL/III]
B. M. GUPTA, Dy. Director of Estates

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1978

का०ग्रा० 3386.—दिल्ली विकास प्रबंधनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 3 की उपधारा (3) के छण्ड (च) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा निर्माण और आवास मंड़ालय की दिनांक 1-10-1977 की अधिसूचना संख्या के०-11011/47/77-यू०डी०भी० के अतिक्रमण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा नई दिल्ली नगरपालिका के अध्यक्ष श्री एस०पी० छावड़ को श्री ओमेश सहगल के स्थान पर दिल्ली विकास प्रबंधकरण के एक सदस्य के रूप में नामित करती है तथा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंड़ालय की दिनांक 30-12-1957 की अधिसूचना संख्या 12-173/57-एस०एस०जी० में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः—

उक्त अधिसूचना में, मद संख्या 10 में, "श्री ओमेश सहगल" के स्थान पर "श्री एस०पी० छावड़" लिखा जाये।

[संख्या के०-11011/22/78-डी० फी०I(ए०)]
हरी राम गोयल, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 3rd November, 1978

S.O. 3386.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (g) of sub-section (3) of section 3 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) and in supersession of Ministry of Works & Housing Notification No. K-110011/47/77-UDIB, dated the 1st October, 1977, the Central Government hereby nominates Shri S. C. Chhabra, President, New Delhi Municipal Committee as a member of the Delhi Development Authority in place of Shri Omesh Saigal and makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Health No. 12-173/57 LSG, dated the 30th December, 1957, namely :—

In the said notification, in item No. 10 for the entry "Shri Omesh Saigal" the following entry shall be substituted :—
"Shri S. C. Chhabra".

[No. K-11011/22/78-DDI(A)]
H. R. GOEL, Under Secy.

पूर्वी और पुनर्जीवि मंड़ालय

(पुनर्जीवि विभाग)

प्रबंध

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1978

का०ग्रा० 3387.—केन्द्रीय सिविल सेवाएँ (वर्गीकरण) नियमण, एवं अपील नियमावली, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12

के उपनियम (2) की धारा (बी) तथा नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, इसके द्वारा, पूर्वी और पुनर्जीवि मंड़ालय, (पुनर्जीवि विभाग) के दिनांक 29 नवम्बर, 1975 के अधिकार संख्या 1/4/78—सतर्कता की, जिसे दिनांक 7 जनवरी, 1978 के अदेश संख्या 1/4/68 सतर्कता द्वारा संशोधित किया गया है, आगे भी निम्न प्रकार से संशोधित करते हैं, प्रथम :—

उक्त अदेश की अनुसूची में :—

- (क) "सामान्य केन्द्रीय सेवाएँ—श्रेणी III" के भाग II में कालम 2 तथा 3 में एवं बन्दोबस्त आयुक्त" के स्थान पर "सेटलमेंट विभाग में प्रशासन के इच्चार्ज उपमुख्य बन्दोबस्त आयुक्त" प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
- (ख) सामान्य केन्द्रीय सेवाएँ—श्रेणी 4, भाग III के कालम 5 में, शब्द "बन्दोबस्त आयुक्त" के स्थान पर शब्द "सेटलमेंट विभाग के प्रशासन के इच्चार्ज उपमुख्य बन्दोबस्त आयुक्त" प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 1/4/68—सतर्कता]
पी० आर० अहर० उप-सचिव

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(Department of Rehabilitation)

ORDER

New Delhi, the 24th October, 1978

S.O. 3387.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of the rule 12 and sub-rule (1) of Rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments to the order of the Government of India in the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) No. 1/4/68/AV dated the 29th November, 1975 and further amended vide order No. 1/4/68/AV dated the 7th January, 1978 namely :—

In the Schedule to the said order :—

- (a) In Part II-General Central Services-Class III" in columns 2 and 3, for the words "Settlement Commissioner" the words "Deputy Chief Settlement Commissioner Incharge of Administration in the Settlement Wing" shall be substituted;
- (b) in "Part III-General Central Services-Class IV" in column 5, for the words "Settlement Commissioner" the words "Deputy Chief Settlement Commissioner Incharge of Administration in the Settlement Wing" shall be substituted.

[No. 1/4/68/AV]

P. R. AHIR, Dy. Secy.

प्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1978

का०ग्रा० 3388.—यहतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायुक्त अनुसूची में विनिविष्ट के बारे में भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड, कोलकाता गोल्ड फील्ड्स के प्रबन्धतात्व से सम्बद्ध मियोजकों और उनके कर्मकारों के दीच एक श्रीधोगिक विवाद विवादान है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वैशित करना चाहती है;

अतः यह, श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के छण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक श्रीधोगिक विकारण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एस०एस०एफ०

अलवारस होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलौर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण के न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या भारत गोल्ड माइन्स वर्क्स यूनियन की भारत गोल्ड माइन्स लिमिटेड के निमारनी विभाग के 141 नैमित्तिक श्रमिकों को 25 अप्रैल, 1973 से 31 अक्टूबर, 1974 की अवधि के लिए 3.85 रु. की बढ़ी हुई वर पर अद्यायी करते की मांग न्यायोचित है? यदि हाँ तो अधिकार कर्मकार किस अनुतोष के हक्कार हैं?”

[सं. एल-43011/3/78-डी-3-बी०]

आर० कुंजिथापदम, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 24th October, 1978

S.O. 3388.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management of Bharat Gold Mines Limited, Kolar Gold Fields, and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri S. L. F. Alvares shall be the Presiding Officer with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the demand of Bharat Gold Mines Workers Union for payment of enhanced rate of Rs. 3.85 per day to 141 casual labour employees of the Watch and Ward Department of Bharat Gold Mines Limited for the period from 25th April, 1973 to 31st October, 1974 is justified. If so, to what relief are the aggrieved workmen entitled?”

[No. L-43011/3/78-D. III. B]
R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

आवेदा

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1978

का०आ० 3389.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावक्तु अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में स्टेट बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः प्रध, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के साथ पठित घारा 7 का द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के०पी० नारायण राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या स्टेट बैंक आफ इंडिया, हैदराबाद के प्रबन्धतंत्र की, बैंक की हैदराबाद शाखा के भूतपूर्व सथ स्टाफ श्री डॉ० बीरा हनुमान को 1-10-77 के बाद रोजगार न देने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हक्कार है?”

[सं. एल-12012/39/78-डी० 2५]

ORDER

New Delhi, the 7th November, 1978

S.O. 3389.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7-A read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri K. P. Narayana Rao with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDE

“Whether the action of the management of the State Bank of India, Hyderabad in not providing employment to Shri D. Veera Hanniman, ex-sub-staff, Hyderabad Branch of the Bank after 1-10-77 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

[No. L-12012/39/78-D. II. A.]

आवेदा

का०आ० 3390.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावक्तु अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में हत्ताहाबाद बैंक के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके नियोजकों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

अतः प्रध, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के साथ पठित घारा 7-का द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम०पी० गंगाराजू होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या हत्ताहाबाद बैंक के प्रबन्धतंत्र की उड़ीसा राज्य में अपनी शाखाओं के कर्मचारियों को 29 दिसम्बर, 1977 को 2.00 बजे अपराह्न से 5.00 बजे अपराह्न तक कार्य ग्रहण और कार्य पूरा न करने देने तथा उस सारे दिन की मजदूरी न देने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हक्कार हैं?”

[संलग्न एल-12011/62/78-डी० 2८०]

आर०पी० मस्ला, अवर सचिव

ORDER

S.O. 3390.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Allahabad Bank and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947),

the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri M. V. Gangaraju with headquarters at Bhubaneswar and refer the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Allahabad Bank in not allowing employees of their branches in the State of Orissa to join and perform their duties from 2 P. M. to 5 P. M. on 29-12-77 and to deny them wages for the whole of that day is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?"

[No. L-12011/62/78-D. II. A.]
R. P. NARULA, Under Secy.

New Delhi, the 13th November, 1978

S.O. 3391.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Bangalore in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vijaya Bank Ltd., Bangalore and Shri U. Bhujanga Shetty over his improper dismissal from service, which was received by the Central Government on 7-11-1978.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAKA, BANGALORE

Bangalore, 31st October, 1978

Reference No. 4 of 1976 (Central)

I PARTY :

Sri U. Bhujanga Shetty, C/o. C.M.T.I. Candeen, Yeswanthapuram, Bangalore.

II PARTY :

Versus

The Chairman, Vijaya Bank Ltd., No. 2, Residency Road, Bangalore.

APPEARANCES

For the I Party.—Sri M. M. Cariappa, Advocate, Bangalore.

For the II Party.—Sri K. J. Shetty, Advocate, Bangalore.

REFERENCE

(Government Order No. L-12012/178/75[DII(A) dated 7-5-1976])

AWARD

As per Order No. L-12012/178/75[DII(A) dated 7-5-1976 issued in exercise of its powers under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 the Government has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

1. Whether the action of the management of Vijaya Bank Limited, Bangalore in dismissing Shri V. Bhujanga Shetty, clerk-cum-godown Keeper at the K. G. Road Branch of the said Bank, Bangalore with effect from the afternoon of 24th February, 1973 is justified ? If not, to what remedy is the said workman entitled ?
2. After entering appearance in person as well as through representative, the I Party workman V. Bhujanga Shetty filed an application requesting that he may be furnished with the copies of the domestic enquiry papers to enable him to file the Claim Statement on his behalf. The copies of the domestic enquiry papers were furnished to the I Party accordingly. Thereafter, the I Party workman filed the following Claim Statement :

That when he received a memo dated 13-7-1972 alleging that he returned to the office late after the lunch

hours, he gave the satisfactory explanation. Then he received another memo dated 18-7-1972 alleging that he had left the office soon after the office hours. He explained by his letter dated 27-7-1972 that all the employees are expected to leave the work soon after the office hours. In spite of his explanation which was satisfactory, the II Party issued him a charge-sheet alleging that he had deliberately given a false explanation and that he has been inciting the other employees to go slow. He represented before the Enquiry Officer that the allegations are baseless. The Party's representative requested for adjournment on personal inconvenience of his representative, N. K. Vishwanath Rao, the Vice President of Karnataka Pradesh Bank Employees Federation; the same was refused. During the enquiry, he was not supplied with a copy of the service rules inspite of his requests. When serious irregularities in conducting the enquiry were noticed and the I Party's representative requested the Enquiry Officer to note the same, the Enquiry Officer, who was already prejudiced and biased against the I Party workman, refused to note the same. On 7-12-1972, when he was asked to appear before the Enquiry Officer for hearing regarding punishment, the I Party workman was not given an opportunity to be heard. He was also not provided with copies of the enquiry proceedings and Enquiry Officer's findings. The enquiry held was *ex parte*. The charges were vague and did not indicate as to where and when he had committed the acts of misconduct. The evidence adduced before the enquiry was either irrelevant or hearsay. Material evidence was not produced. The Enquiry Officer's findings are not based on evidence but on surmises. The witnesses' signatures were not obtained on the enquiry proceedings by the Enquiry Officer. Hence, the evidence of those witnesses cannot be relied upon as authentic. The order of dismissal passed is illegal and *mala fide*. The punishment imposed is grossly disproportionate. The I Party workman further averred that when he joined the II Party he had become the member of the Vijaya Bank Employees' Association which is affiliated to the National Organisation of Bank Workers. In July 1972, he left the said Association and joined the Vijaya Bank Employees' Union which is affiliated to the All India Bank Employees' Association. The II Party's general practice was either to transfer to some remote and distant branch or to fabricate some false charge against whomsoever refused to join the said Association. Immediately he joined the said union, the I Party workman was served with a memo dated 13-7-1972. The I Party workman prays that after holding that the dismissal order passed against him is unjust, illegal and *mala fide* and setting aside the same, he may be reinstated in service with back wages, continuity of service and other benefits.

3. In its Objection Statement, the II Party raised the following contentions :—

That the I Party workman was attending the office late and he was also insisting the other employees of the Bank to go slow in their work. After issuing the charge-sheet and calling for the I Party's explanation which was found to be not satisfactory, an enquiry was ordered and held in accordance with law. The I Party workman and his representative participated in the enquiry but did not cross-examine the witnesses. The Enquiry Officer gave all opportunity to the I Party workman and his representative but as they did not avail of the same, the Enquiry Officer had no alternative but to treat the cross-examination as "nil". They also refused to affix their signatures on the proceedings with a view to build up a false and frivolous story. The Enquiry Officer was not biased against the I Party workman. The charges framed against the I Party workman are specific and have been proved in the enquiry. The dismissal order was passed after giving full opportunity to the I Party and holding an enquiry in accordance with law. The Chairman of the II Party perused the records pertaining to the I Party workman and passed the dismissal order. The Appellate Authority also scrutinised and examined the entire proceedings and gave an opportunity to the I Party workman to be heard. But the I Party workman remained absent and did not put forth his case. The charges against the I Party workman are grave in nature. The misconduct justifies the action of dismissal. It is false that the memo was issued to the I Party workman immediately after he joined the Vijaya Bank Employees' Union. The reference is liable to be rejected.

4. After hearing the counsel appearing for the parties, the following additional issue.—

- (1) Whether the domestic enquiry held against V. Bhujanga Shetty is in accordance with the principles of natural justice and is valid,

was framed and the case was posted for hearing on the said additional issue as a preliminary issue as per orders passed on the II Party's application. Thereafter, the proceedings underwent several adjournments at the instance of one or the other of the parties who took time saying that an attempt for settlement is being made. When the case was taken up today 31-10-1978, the I Party workman was present along with his counsel and so also, the II Party's counsel. Both the parties filed a Memorandum of Settlement saying that the dispute and difference between them have been settled, upon the I Party workman expressing regret and assuring that he would conduct himself well and discharge his duties in the interest of the Bank and to the satisfaction of his superiors, as per the terms of the settlement entered into between them and incorporated in the memorandum, I have perused the terms of settlement incorporated in the memorandum. As per the settlement, the I Party workman is to be appointed by the II Party as a clerk on the basic pay of Rs. 213 with the usual D.A. and other allowances. The other terms of settlement say that the I Party workman's past service from 1-9-1971 to 24-2-1973 will be counted only for the purpose of promotion from clerical post to officer's post subject to the eligibility and suitability as and when the vacancy arises and for the purpose of gratuity. With regard to the Provident Fund amount standing to his credit, the same is to be taken into account and continued in accordance with the Staff Provident Fund Regulations. What has been withheld is back wages. In my opinion, the terms of the settlement are fair and reasonable and are required to be accepted and recorded. The above settlement resolves the dispute referred in its entirety. An award is passed accordingly. A copy of the Memorandum of Settlement shall be annexed to this Award.

(Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me).

F. L. F. ALVARES, Presiding Officer.
Dated : 31-10-1978.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER OF INDUSTRIAL TRIBUNAL BANGALORE

Reference No. 4 of 1976

BETWEEN

U. Bhujanga Shetty, No. 19, I Main road, Srirama-puram, Bangalore. .First Party

AND

The Management of Vijaya Bank Ltd, No. 2, Residency Road, Bangalore. .Second Party

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Whereas the First Party was working as a Clerk in the Second Party Bank and whereas the First Party was dismissed from service for gross misconduct.

And whereas the First Party raised an Industrial dispute questioning the validity of the dismissal order and the Central Government was pleased to refer the dispute to this Hon'ble Tribunal for adjudication.

And whereas the First Party when the reference was pending before this Tribunal, approached the Second Party expressed regret about what happened and also assured the Second Party that he would conduct himself well and discharge his duties in the interest of Bank and to the satisfaction of his superiors and the matter may be settled amicably and he may be given an appointment in the Bank.

And whereas the Second Party after taking into consideration the first party's representation, has agreed to settle the above dispute and difference as follows :—

TERMS OF SETTLEMENT

1. The first party will be appointed by the Second Party as a clerk on a basic pay of Rs. 213 with the usual D.A. and other allowances.
2. The first party is not entitled to any back wages; and
3. His past service from 1-9-1971 to 24-2-1973 will be counted only for the purpose of promotion from clerical post to officer's post subject to the eligibility and suitability as and when the vacancy arises and for the purpose of gratuity. The amount if any standing to his credit in his Provident Fund Account will be taken into account and the Account will be continued in accordance with the Staff Provident Fund Regulations of the Bank.

This is in full and final settlement of all the claims and rights of the 1st party arising out of the above reference and the award may be passed accordingly by this Hon'ble Tribunal.

The parties shall bear their respective costs.

FIRST PARTY

Advocate for First Party

Bangalore, 17-10-1978.

SECOND PARTY

Advocate for Second Party

[No. L-12012/178/75-D.I.I.A.]

R. P. NARULA, Under Secy.

New Delhi, the 15th November, 1978

S.O. 3392.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Bank of India and their workmen over denial of pay scales and service condition enjoyed by Cash Van Drivers employed by the Bank to S|Shri Mohd. Issack & 19 others, which was received by the Central Government on the 7-11-1978.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 8 of 1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of United Bank of India, Calcutta,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Sri C. L. Ganguly, Advocate.

On behalf of Workmen.—Absent.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Banking

AWARD

By Order No. L-12011[51]76-D.I.I.A dated 18th April, 1977, the Government of India, Ministry of Labour referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of United Bank of India, Calcutta and their workmen to this Tribunal, for adjudication. The reference reads as follows :

1. Whether the action of the management of United Bank of India, Calcutta in denying the under mentioned drivers the pay scales and service conditions as enjoyed by the Cash Van Drivers employed by the Bank is justified?

1. Shri Jugal Kishore Ghosh.
2. Shri Nithu Lal Dhurla.
3. Shri Mohd. Farook Hossain.
4. Shri Uma Shanker Prasad.
5. Shri Laxman Sharma.
6. Shri Shiv Kumar Singh.
7. Shri Kamaruddin Khan.
8. Shri Nikhil Nandl.
9. Shri Ramudhar Jha.
10. Shri Sahadr Roy.
11. Shri Mohd. Islam.
12. Shri Ajoy Bhattacharjee.
13. Shri Abdul Gaffur.
14. Shri Tej Narain Jha.
15. Shri Sadananda Choudhury.
16. Shri Kailash Thakur.
17. Shri Dhananjay Dhara.
18. Shri Gautam Thakur.
19. Shri Ram Prasad Shah
20. Shri Mohd. Issac.

If not, to what relief are the workmen entitled.

2. Whether the action of the management of the United Bank of India, Calcutta in terminating the services of Shri Mohd. Issac, Driver with effect from 7-8-74 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

2. In this reference the parties filed their respective pleadings. Thereafter on the 24th of October, 1978 a petition was filed by the United Bank of India Drivers Association under the signature of its General Secretary by which it was stated that all the workmen who are parties to this reference have intimated to the union not to proceed with the reference by a joint application dated 1st September, 1978 a copy of which was made an Annexure to the petition. It may also be stated that the concerned workmen had filed a joint application before the Tribunal stating that they were not interested to proceed with the dispute in view of the assurance given by the management of the Bank of absorbing them in the Bank's employment on the basis of seniority in the regular vacancies as and when such vacancies arise. It was also stated in that petition that the management of United Bank of India had agreed to prepare a list of drivers on the basis of seniority.

3. A petition was also filed by the learned Advocate appearing on behalf of the management. By that petition the management submitted that since the persons mentioned in the order of reference who espoused the industrial dispute and had the same referred before the Tribunal, do not want to proceed with the dispute, a "no dispute" award be passed in this reference.

4. In these circumstances I make a "No Dispute" award in respect of the industrial dispute involved in this reference.

S. K. MUKHERJEA, Presiding Officer.
[No. L. 12011/51/76-D.II.A]

Dated. Calcutta,
The 28th October, 1978.

S.O. 3393.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Andhra Bank Ltd., Hyderabad and their workmen over reversion of S/Shri T. Prakash Rao, E. Sivalingam and A. Rajeswara Rao, Clerks on probation as Peons in September, 1975 pending conclusion of disciplinary proceedings

against them, which was received by the Central Government on the 8-11-1978.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 27 of 1978

BETWEEN

Workmen of Andhra Bank Limited, Central Office,
Hyderabad. (A.P.).

AND

The Management of Andhra Bank Limited, Central
Office, Hyderabad (A.P.).

APPEARANCES :

Sri O. P. Ranga Rao, General Secretary, Andhra Bank Employees' Association—for Workmen.

Sri V. G. M. Prasad, Personnel Officer—for Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour through its Order No. L-12011/43/77-D. II.A. dated 2-9-1978 referred under Section 7-A read with clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 the following dispute existing between the employers in relation to the Management of Andhra Bank Limited, Hyderabad and their workmen to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of the Andhra Bank Limited, Hyderabad in reverting S/Shri T. Prakash Rao, E. Sivalingam and A. Rajeswar Rao Clerks on probation as Peons in September, 1975 pending conclusion of disciplinary proceedings against them is legal and justified? If not, to what relief are these workmen entitled?"

2. The reference was registered as Industrial Dispute No. 27 of 1978 and notices were ordered to be issued to both parties. In response thereto the General Secretary of Andhra Bank Employees' Association and Sri V. G. M. Prasad, Personnel Officer, representing the Management of Andhra Bank Limited filed a joint memo submitting that the Management has agreed to promote Sarvasti T. Prakash Rao, E. Sivalingam and A. Rajeshwar Rao as clerks with retrospective effect from the date they have been reverted as peons, and in view of the Management's decision the Petitioner-Union withdraws the above dispute and that, therefore, a nil award may be passed. Since the demand of the workmen is settled as above, there is no need to proceed further with the matter.

3. A nil award is accordingly passed, and the joint memo filed by the parties shall be appended hereto.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 2nd day of November, 1978.

C. L. Narasimha Rao, Presiding Officer

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)

HYDERABAD

I.D. No. 27 of 1978

BETWEEN

Workmen of Andhra Bank Ltd., Represented by General Secretary Andhra Bank Employees Association—Petitioners.

AND

Management of Andhra Bank Ltd., Central Office, Sultan Bazar, Hyderabad, A.P.

Joint memo filed by the above parties.

It is submitted that management herein agree to promote as Clerks T. Prakash Rao, E. Sivalingam and A. Rajeshwar Rao with retrospective effect from the date they have been reverted as peons. In view of the maangement's decision the petitioner Union withdraws the above dispute and prays that this Honourable Tribunal may please to pass a nil award.

Hyderabad, A.P.

Dated : November 2, 1978.

Petitioners rep. by its General Secretary

Mr. O. P. Ranga Rao
Management rep. by its
Personnel Officer,

Mr. V. G. M. PRASAD
Mr. V. G. M. Prasad
C. L. Narasimha Rao, Presiding Officer

[No. L-12011/43/77-D. H. A.]
R. P. Narula, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 1978

कांस्ट्रा० 3294.—मैसरी एम० डी० शेडिया एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई-400051, (जिसे इसमें इसके पावान उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन छूट देने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार की राय में अभिदाय की दरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियम उन नियमों से कम अनुकूल नहीं नहीं हैं जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट हैं, और कमचारी अन्य भविष्य निधि प्रसुविधाओं का भी उपभोग कर रहे हैं जो कर्मचारियों के लिए उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं हैं, जो उसी प्रकार के किसी अन्य स्थान के कर्मचारियों के संबंध में, उक्त अधिनियम के अधीन अथवा कमचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (जिसे इसमें इसके पावान उक्त स्थीम कहा गया है) के अधीन उपयोगित हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुमूली में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को उक्त स्थीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन से संबद्ध नियोजक, नियोजन के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसी नियोजन प्रभार का, प्रत्येक भाग के अंत के 15 दिन के भीतर, संदाय परेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर, कमचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करें।

2. उक्त स्थापन से संबद्ध नियोजक—

(i) उक्त स्थापन की भविष्य निधि में अभिवायों के विनिधान की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों का पालन करेगा;

(ii) यह देखते के लिए सम्बन्धीय सावधानी बरतेगा कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड, भविष्य निधि अभिवायों को केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए नियमों के अनुमार विनिहित करता है और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अभिवायों के ऐसे विनिधान के लिए उनरकायी होंगा।

3. नियोजक, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

4. नियोजक, प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा दिवरण द्वारा पास द्वा० देगा।

5. भविष्य निधि के प्रशासन जिसमें लेखाओं का बनाए, रखना, लेखाओं और विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, स्थियों का छांत, रण, निरोक्षण प्रभारों आदि का संदाय संरक्षित है, मैं होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

6. नियोजक प्रति वर्ष हर एक सदस्य के खाते में ऐसी दर से, जो न्यासी बोर्ड अधिवारित करें, अ.ज. जमा करेगा और ऐसी दर उस दर से कम नहीं होगी जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर अवधारित करे।

7. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित रूप में, भविष्य निधि के नियमों की एक प्रति और जब कर्मचारी उनमें संशोधन किया जाए, तब उन मंशीदारों ने ऐसा प्रति, उसकी मुख्य वासी का कर्मचारियों की बहुसंख्या की भावा में अनुवाद सहित, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और ऐसे कर्मचारी की बाबत उसके पिछले संबंधों को स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में जमा करेगा।

9. यदि ऐसे वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजक का स्थापन आता है, भविष्य निधि के अभिवायों की दर कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के अधीन बढ़ायी जाती है तो, नियोजक भविष्य निधि के अभिवायों की दर समुचित रूप से बढ़ा देगा ताकि स्थापना की भविष्य निधि के अधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल न हो जाएं जिनका उपबंध उक्त अधिनियम के अधीन है।

10. स्थापन भविष्य निधि का लेखा परीक्षित तुलनपत्र हर वर्ष प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र को, वर्ष के अन्त के तीन माह के भीतर भेजेगा।

11. स्थापन के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों से विरोध पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, महाराष्ट्र, उसे अनुमोदित करने पर पूर्व, कर्मचारियों को आपाना इंटिकोण, स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अधिसर देगा।

[सं. 35014-59/78-पी०एफ-॥]
एस० एस० सहस्रनामन, उपसचिव

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3394.—Whereas Messrs. S. D. Shethia and Company (Private) Limited, Bombay-400051 (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under

clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952);

And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employee in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.

2. The employer in relation to the said establishment,—

- (i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act in regard to the investment of contributions to the provident fund of the said establishment (therein after referred to as provident fund);
- (ii) shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contribution in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.

3. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.

4. The employer shall furnish to each employee an annual Statement of account or Pass Book.

5. All expenses involved in the administration of the provident fund including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.

7. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the provident fund as approved by the Central Government and, as and when amended the amendments thereto, alongwith a translation of the salient points there of, in the language of the majority of the employees.

8. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit to his account.

9. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishment in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) so that the benefits under the provident fund scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

10. The establishment shall submit an audited balance sheet of the provident fund every year to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra, within three months of the close of the year.

11. No amendment of the rules of the provident fund shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. S. 35014/58/78-PF. II]
S. S. SAHASRANAMAN, Deputy Secy.

प्राप्तेश

नई शिल्पी, 25 अक्टूबर, 1978

कांगड़ा 3395.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाधार अनुभूति में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स बी० बी० सेवक मोहम्मद द्रांसपोर्ट्स, मद्रास-600001 के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णय के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

प्रतः, अब, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के बाण्ड (व) द्वारा प्रदत्त ग्रन्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन प्रधिकारी थी के० सेवारतनम होगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त प्रधिकरण का न्यायनिर्णय के लिए निर्दीशित करती है।

प्राप्तुष्ठा

क्या मद्रास हावर्ड अर्केम गृनियन मद्रास द्वारा नियन्त्रित कर्मकारों की सेवाएँ 16 दिसंबर, 1977 से मैसर्स बी० बी० सेवक मोहम्मद द्रांसपोर्ट्स, मद्रास द्वारा समाप्त किए जाने के लिए उक्त द्रांसपोर्ट से छंटनी प्रतिकर का दावा करना न्यायान्वित है? यदि हाँ, तो संबंधित कर्मकार कितना अनुनीत प्राप्त करने के हकदार हैं?

क्र०सं०	नाम	पदनाम
1.	ए०म० गोपाल	मिस्ट्री
2.	ए०म० सुहामणी	मिस्ट्री
3.	ए०म० मुनीरातनम	मजदूर
4.	ई० फसुलदीन	मजदूर
5.	ए० डोम	मजदूर
6.	ए०म० मोहन	मजदूर
7.	ए०म० हागमवाराम	मजदूर
8.	बी० इगामवाराम	मजदूर
9.	बी० मनुत्त्वामी	मजदूर
10.	बी० भ्रामोगम	मजदूर
11.	आ०म० दुराईक्षु	मजदूर
12.	बी० प्रमादसी	मजदूर
13.	के० राजू	मजदून
14.	जी० चिन्नापान	मजदूर
15.	ए० पालानी	मजदूर

क्रमसंख्या	नाम	पदवीम्
16.	ए० पक्कीरी	मजदूर
17.	ए० मोकिन्दस्वामी	मजदूर
18.	जी० मुनुस्वामी	मजदूर
19.	के० उलगानायन	मजदूर
20.	के० संबानदन	मजदूर
21.	ए० मयावन	मजदूर

[सं. प्रा० 33011(1)/78-डी० 4(ए)]

नन्द लाल, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, 25th October, 1978

S.O. 3395.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messers V. V. Syed Mohammed Transports, Madras-600001 and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7-A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. Selvaratnam shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the Madras Harbour Workers Union, Madras, is justified in claiming retrenchment compensation in respect of the following workers from Messrs V. V. Syed Mohammed Transports, Madras for termination of their services by the latter with effect from 16th December, 1977 ? If so, the amount of relief the workmen concerned are entitled to ?

S. No.	Name	Designation
1.	M. Gopal	Mistry
2.	M. Subramani	Mistry
3.	M. Munirathnam	Mazdoor
4.	E. Fasuldin	Mazdoor
5.	A. Doss	Mazdoor
6.	M. Mohan	Mazdoor
7.	M. Eagambaram	Mazdoor
8.	V. Eagambaram	Mazdoor
9.	V. Munuswamy	Mazdoor
10.	V. Arummugam	Mazdoor
11.	R. Duraikannu	Mazdoor
12.	V. Amavasi	Mazdoor
13.	K. Raju	Mazdoor
14.	G. Chinnappan	Mazdoor
15.	A. Palani	Mazdoor
16.	A. Pakkiri	Mazdoor
17.	S. Govindaswamy	Mazdoor
18.	G. Munuswamy	Mazdoor
19.	K. Ulaganathan	Mazdoor
20.	K. Sambandan	Mazdoor
21.	S. Mayavan	Mazdoor

[No. L-33011(1)/78-D. IV (A)]
NAND LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1978

का० ३३९६.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री प्रोबीर कुमार गांगौली को मुख्य खान निरीक्षक के अधीन खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[का० सं० ए०-12025/3/76-ए० 1]
मीना गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 18th November, 1978

S.O. 3396.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Probir Kumar Ganguly as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/3/76-M.I.
MEENA GUPTA, Under Secy.]

